सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" सफलता की सीढ़ियों को भूलो मत वरना जब गिरोगे तो नींचे थामने वाला हाथ नसीब नहीं होगा ...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–299 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शुक्रवार 20 नवंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

भिलाई नगर निगम चुनाव : कांग्रेस में टिकट की लंबी कतार, बीजेपी में मिथक तोड़ने की चुनौती

आलोक तिवारी / भिलाई

भिलाई की हवा में इन दिनों सिर्फ ठंड नहीं है, सियासत की वो तपिश है जो बड़े–बड़े महलों की नींव हिला देती है। यह वो शहर है जो स्टील की भट्टियों से तपता है, जहां हर गली में एक कहानी है और हर चौराहे पर एक समीकरण। भिलाई नगर निगम का यह छठवां चुनाव कोई मामूली चुनाव नहीं है; यह वजूद, विरासत और भविष्य की उस लकीर को खींचने की लड़ाई है, जिसे मिटाना आसान नहीं है।

लक्ष्मीपति राजू, नीता लोधी और मुकेश चंद्राकर भी रेस में



सेक्टर–7 से चौथी बार के पार्षद लक्ष्मीपति राजू की कहानी भी कम दिलचस्प नहीं है। कल्याण कॉलेज से छात्र राजनीति की शुरूआत करने वाले राजू तेलुगु समाज के साथ–साथ भिलाई नगर और वैशाली नगर, दोनों विधानसभाओं में अपनी पकड़ रखते हैं। अगर भिलाई को एक 'लघु भारत' मानकर फैसला लिया जाए, तो उनका नेटवर्क बड़ा माना जाता है। लोगों के बीच उनकी सक्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जाता है कि जरूरत पड़ने पर उनकी टीम घर तक गैस सिलेंडर पहुंचाने जैसे कामों के लिए भी जानी जाती है। उन्हें भूपेश बघेल, देवेंद्र यादव और सीजू एंथोनी, सभी का समर्थन हासिल माना जाता है।



सिर्फ पार्षद ही नहीं, बल्कि संगठन और मैदान में लगातार सक्रिय रहने वाले चेहरों में सबसे पहला नाम भिलाई नगर निगम की पहली महापौर नीता लोधी का है। ओबीसी वर्ग से आने वाली नीता लोधी पांच साल महापौर रही हैं, महिला कांग्रेस में काम कर चुकी हैं और आज भी प्रवक्ता के तौर पर सक्रिय हैं। खुसीपार से निकलकर सेक्टर–5 में रह रहीं नीता लोधी के साथ जनता का जुड़ाव है और अगर महिला प्रतिनिधित्व का संदेश देना हो, तो वे एक सशक्त विकल्प के रूप में देखी जाती हैं।



इसके अलावा मुकेश चंद्राकर हैं, जिन्होंने भले ही सार्वजनिक तौर पर शोर न मचाया हो, लेकिन उनकी शांत और सौम्य छवि के साथ बढ़ती सक्रियता उन्हें रेस में बनाए रखती है, भले पिछली बार वैशाली नगर में उन्हें सफलता न मिली हो।

कांग्रेस में दावेदारों की भीड़, सबसे बड़ा नाम नीरज पाल का



कांग्रेस के भीतर टिकट की कतार लंबी है और हर कोई अपनी–अपनी बिसात बिछा रहा है। दावेदारों की इस भीड़ में सबसे पहला और सबसे बड़ा नाम आज भी नीरज पाल का कायम है। भले ही वे यह कहते दिखते हैं कि पार्टी जो आदेश देगी वही करेंगे, लेकिन उनके करीबियों की मानें तो उन्होंने अभी तक अपनी हरी झंडी नहीं दी है।

नीरज पाल एक ऐसे सेतु हैं जो कांग्रेस के तमाम धड़ों को एक सूत्र में बांध सकते हैं। चाहे बात भूपेश बघेल से उनके रिश्तों की हो या देवेंद्र यादव और उनके बड़े भाई धर्मेंद्र यादव से उनके जुड़ाव की, चाहे संदीप निरंकारी हों, नीता लोधी हों या मुकेश चंद्राकर, हर जगह उनका संवाद है। अगर भूपेश बघेल का आदेश आता है, तो वे मैदान में उतरने को तैयार दिखते हैं।

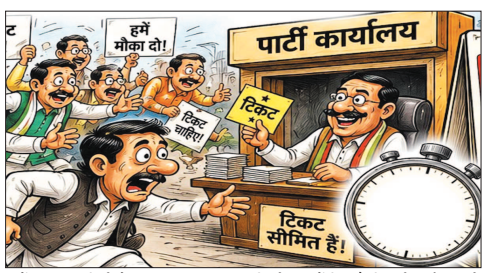

'बीजेपी में 'मिस्ट्री नाम' पर मंथन की सुगबुगाहट

लेकिन कहानी का सबसे बड़ा ट्विस्ट उस 'मिस्ट्री नाम' में छिपा है, जिसकी चर्चा कल भी हुई थी और आज जिसे नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। भारतीय जनता पार्टी के भीतर जिन नामों की चर्चा चल रही है, उनके अलावा भी एक ऐसे चेहरे पर मंथन की सुगबुगाहट है जो किसी एक दायरे में कैद न हो।

जरा सोचिए, अगर भिलाई में कोई ऐसा चेहरा सामने आता है जो सर्व समाज को साधने की क्षमता रखता हो, जिसका जुड़ाव सड़क पर रिक्शा चलाने वाले से लेकर शहर के बड़े उद्योगपतियों तक हो, जिसकी महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों, हर वर्ग में गहरी पकड़ हो, और जो यूथ को अपनी ओर आकर्षित कर सके, तो निश्चित रूप से भारतीय जनता पार्टी उस नाम पर अपनी मुहर लगा सकती है। क्योंकि भिलाई में सीधे चुनाव के इतिहास में बीजेपी के लिए विद्यारतन भसीन के बाद जीत का मिथक तोड़ना सबसे बड़ी चुनौती है, और इस मिथक को तोड़ने के लिए पार्टी कोई भी बड़ा या चौंकाने वाला फैसला लेने से पीछे नहीं हटेगी।

सियासत की शतरंज अभी बिछी है, मोहरे चलना बाकी है। चेहरे वही हैं, पर हर चेहरे के पीछे एक नया सवाल खड़ा है, आखिर जनता के बीच वो कौन सा चेहरा उतरेगा जो भरोसे की कसौटी पर खरा उतरेगा? क्योंकि लोकतंत्र में टिकट तो बंद कमरों में तय होती है, लेकिन असली फैसला तो उस जनता के हाथ में होता है जो खामोशी से सब देखती है और वक्त आने पर अपना फैसला सुनाती है।

अतुल चंद्र साहू और देवेंद्र यादव का नाम भी चर्चा में



वहीं उद्योगपति अतुल चंद्र साहू का नाम भी चर्चा में है, जो 2018 में वैशाली नगर विधानसभा की टिकट के बेहद करीब पहुंच गए थे। अशोक गहलोत से सीधे संपर्क, भूपेश बघेल और ताम्रध्वज साहू से पारिवारिक स्तर के संबंध और यूथ विंग के बीच उनकी पकड़ उन्हें एक गंभीर दावेदार बनाती है।



और फिर एक ऐसा नाम भी है जिसे लोग अक्सर यह कहकर टाल देते हैं कि ऐसा भला कैसे हो सकता है, देवेंद्र यादव! राजनीति क्रिकेट के उस खेल की तरह है जहां आखिरी गेंद तक कुछ भी असंभव नहीं होता। जैसे सौरव गांगुली के दौर में महेंद्र सिंह धोनी अचानक ओपनिंग करने उतरे और 175 रन ठोक दिए, वैसे ही सियासत में भी कोई दांव चल सकता है, हालांकि देवेंद्र यादव और उनके बड़े भाई धर्मेंद्र यादव दोनों ही चुनावी दौड़ को लेकर स्पष्ट रुख रख चुके हैं।

यहीं वह भी समझना जरूरी है कि भूपेश बघेल और देवेंद्र यादव के बीच की सियासी तनातनी और समीकरणों के बीच हर कदम फूंक–फूंककर रखा जा रहा है, क्योंकि जब बड़े क्षत्रपों की राहों में समीकरण टकराते हैं, तो टिकट का फैसला सिर्फ नामों पर नहीं, बल्कि संतुलन पर होता है।

पार्षदों की कतार में साकेत, एकांश, गिरवर बंटी साहू



पार्षदों की इसी कतार में साकेत चंद्राकर का नाम भी मजबूती से गूंज रहा है। सेक्टर–6 के वार्ड से लगातार पार्षद रहे साकेत एक सीनियर चेहरा हैं, जिनकी मां मीना चंद्राकर भी पार्षद रह चुकी हैं। जिला अध्यक्ष के नाम पर आखिरी वक्त में भले बात अटकी हो, पर उनकी दावेदारी को हल्के में नहीं लिया जा सकता।

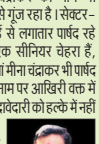

वहीं एकांश बंछोर की बात करें, तो वे देवेंद्र यादव के बेहद करीबी मित्र और रणनीतिकार माने जाते हैं। एमआईसी मेंबर (पीडब्ल्यूडी) के तौर पर काम करते हुए उन्होंने खुद को एक मजबूत दावेदार के रूप में पेश किया है और देवेंद्र के हर चुनाव की रणनीतियों में उनकी भूमिका हमेशा अहम रही है।



साहू समाज के समीकरणों की बात आए तो गिरवर बंटी साहू का नाम सामने आता है, जिन्हें कोहका क्षेत्र से आते हुए एक तरह की सियासी 'लॉटरी' के रूप में देखा जाता है, ठीक वैसे ही जैसे वे पहले सभापति पद के लिए चुने गए थे। वैशाली नगर विधानसभा और पूरे भिलाई नगर निगम में साहू समाज के प्रभाव को देखते हुए वे एक अहम चेहरा हो सकते हैं।



वहीं खुसीपार से पार्षद और जोन अध्यक्ष भूपेंद्र यादव भूपेश बघेल के बेहद करीबियों में गिने जाते हैं और अपने अनुभव के दम पर दावेदारी ठोक रहे हैं। कॉन्ट्रैक्टर कॉलोनी से पार्षद और एमआईसी सदस्य लालचंद वर्मा तो एक कदम आगे बढ़कर कार्यकर्ताओं के माहौल के साथ भूपेश बघेल के सामने सीधे दावेदारी पेश कर चुके हैं। शुरूआती दौर से भूपेश बघेल के साथ जुड़े होने के कारण उन्हें एक विशुद्ध छत्तीसगढ़िया चेहरे के तौर पर देखा जाता है।

मां की हत्या को सामान्य मौत बताकर छिपाने वाला बेटा गिरफ्तार, 3 साल बाद खुला राज

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



मां की हत्या को सामान्य मृत्यु दर्शाकर छिपाने वाले पुत्र को खमतराई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पारिवारिक विवाद में की गई इस हत्या का खुलासा मर्ग जांच, पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं परिजनों व गवाहों से प्राप्त तथ्यों के आधार पर हुआ।

पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला एवं अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अमित तुकाराम कांबले के निर्देशन में थाना खमतराई पुलिस एवं एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। थाना खमतराई के मर्ग क्रमांक 72/2023 की जांच के दौरान मृतिका श्यामा गोस्वामी के सिर में चोट एवं गले में रस्सी के निशान पाए गए थे। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट का अवलोकन, परिजनों एवं गवाहों से पूछताछ तथा घटनाक्रम के विभिन्न पहलुओं की बारीकी से जांच की।

जांच में पता चला कि मृतिका का अपने पुत्र संजू उर्फ संदीप गिरि गोस्वामी के साथ पारिवारिक विवाद चल रहा था। आरोपी अपनी पत्नी एवं बच्चों को घर लाना चाहता था, जिस बात को लेकर 5 जुलाई 2023 को उसका अपनी मां से विवाद हुआ था। विवाद के दौरान आरोपी ने अपनी मां को दीवार में धक्का दे दिया, जिससे उनके सिर में चोट लग गई। इसके बाद मृतिका के दर्द से कराहने पर आरोपी ने गुस्से में आकर पास में रखे सिलबट्टे के लोढ़े से उनके सिर के पीछे वार कर दिया। इससे मृतिका के सिर से खून बहने लगा। इसके बाद आरोपी ने पलंग में लगी मच्छरदानी की रस्सी से उनका गला घोंट दिया, जिससे उनकी मृत्यु हो गई।

हत्या के बाद आरोपी ने घटना को छिपाने के उद्देश्य से मृतिका के सिर में गमछा बांध दिया तथा माथे एवं सिर में गुलाल लगा दिया। आरोपी ने अपनी मां की हत्या की जानकारी अपनी बहनों एवं पुलिस को नहीं दी तथा आसपास के लोगों को मृत्यु का सामान्य कारण बताकर घटना को छिपाने का प्रयास किया।

प्रकरण में मृतिका की पुत्री संगीता गोस्वामी द्वारा अपनी मां की मृत्यु को लेकर संदेह व्यक्त किए जाने पर पुलिस ने शिकायत एवं पूर्व में की गई मर्ग जांच से संबंधित तथ्यों का पुनः सूक्ष्मता से परीक्षण किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, गवाहों के कथन एवं परिजनों से प्राप्त जानकारी के आधार पर आरोपी की संलिप्तता सामने आई। पूछताछ में आरोपी ने अपनी मां की हत्या करना स्वीकार किया। आरोपी संजू उर्फ संदीप गिरि गोस्वामी पिता स्व. अंबिकेश्वर पुरी गोस्वामी उम्र 44 वर्ष निवासी धनलक्ष्मी नगर, भनपुरी, थाना खमतराई, रायपुर के विरुद्ध अपराध क्रमांक 1240/2026 धारा 302, 201 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर 19 नवंबर 2026 को गिरफ्तार किया गया।

उदंती–सीतानदी में दिखा ओरिएंटल पाइड हॉर्नबिल भिलाई के फोटोग्राफर ने कैद किया खूबसूरत नजारा

नई दृष्टिबिंदु / गरियाबंद

छत्तीसगढ़ के उदंती–सीतानदी टाइगर रिजर्व में वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी के दौरान प्रकृति का एक खूबसूरत नजारा देखने को मिला। यहां ओरिएंटल पाइड हॉर्नबिल (Oriental Pied Hornbill) को कैमरे में कैद किया गया।



भिलाई के मशहूर वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर इमरान अहमद अंसारी ने इस खूबसूरत परिंदे की तस्वीर अपने कैमरे में कैद की है। प्रकृति की खूबसूरती ऐसे ही अनमोल पलों में छिपी होती है। जंगल का हर पक्षी अपने आप में खास है और उसे अपने कैमरे में कैद करना हमेशा यादगार अनुभव रहता है। ओरिएंटल पाइड हॉर्नबिल अपनी बड़ी चोंच, काले–सफेद रंग और सिर पर बने विशिष्ट हेलमेट जैसी संरचना के लिए जाना जाता है। यह पक्षी मुख्य रूप से घने जंगलों में पाया जाता है और जंगल के पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। फल खाकर बीजों को फैलाने के कारण इसे जंगल का माली भी कहा जाता है।



उदंती–सीतानदी टाइगर रिजर्व छत्तीसगढ़ के प्रमुख वन्यजीव क्षेत्रों में से एक है, जहां बाघ, तेंदुआ, हाथी सहित कई दुर्लभ पक्षियों की प्रजातियां पाई जाती हैं। यहां की जैव विविधता वाइल्डलाइफ प्रेमियों और फोटोग्राफरों के लिए हमेशा आकर्षण का केंद्र रही है।

फोटोग्राफर इमरान अहमद अंसारी ने कहा कि ऐसे दुर्लभ पक्षियों को कैमरे में कैद करना किसी भी वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि जंगल को बचाना और वन्यजीवों का संरक्षण करना हम सबकी जिम्मेदारी है।

बिलासपुर जिला अदालत से दीपक टंडन को राहत नहीं, जमानत अर्जी खारिज

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर



बिलासपुर की जिला अदालत ने दीपक टंडन की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। अदालत ने मामले की गंभीरता और उपलब्ध तथ्यों को देखते हुए राहत देने से इनकार किया।

पुलिस के मुताबिक तिफरा के महाराणा प्रताप नगर निवासी मणिशंकर पांडेय ने 29 अक्टूबर को सिरगिट्टी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उनकी तस्वीरों को एआई से एडिट कर अश्लील और भ्रामक कंटेंट बनाया गया और न्यूज पोर्टल व सोशल मीडिया पर फैलाया गया। शिकायत के अनुसार मकसद सामाजिक छवि खराब करना और दबाव बनाकर रुपये ऐंठना था।

जांच में पुलिस को दीपक टंडन की भूमिका का पता चला। पुलिस को आरोपी की लोकेशन रायपुर में मिली। 6 नवंबर को न्यू राजेंद्र नगर के रजत प्राइम अपार्टमेंट में दबिश देकर उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस का दावा है कि उसके कब्जे से दो मोबाइल फोन जब्त हुए, जिनमें कई आपत्तिजनक फोटो, वीडियो और ऑडियो क्लिप मिले हैं, जिनकी जांच जारी है।

पुलिस के अनुसार इस गिरफ्तारी के बाद शिकायतों का सिलसिला शुरू हुआ। रायपुर में पांच एफआईआर और बिलासपुर, सक्ती और कोरबा में एक–एक, यानी कुल आठ मामले सामने आए हैं। एक अन्य रिपोर्ट में करीब दस मामलों की बात कही गई है, जबकि 11 और शिकायतों की जांच चल रही है।

पुराने मामलों में ठेके और टेंडर के नाम पर 56 और 15 लाख, जमीन और गाड़ी बेचने के सौदे में 36 और 20 लाख रुपये, यानी कुल एक करोड़ सत्ताईस लाख रुपये के लेन–देन का आरोप है। साथ ही होटल की सील तोड़कर कब्जे और धमकी का मामला भी है। पुलिस के अनुसार ज्यादातर रकम 2022 से चली आ रही बताई जा रही है, जब चेक बाउंस हुए और पैसे नहीं लौटे। इसी बीच बरखा टंडन की भी गिरफ्तारी हुई और उन्हें जेल भेजा गया। पुलिस के अनुसार उनके मोबाइल से पूर्व मंत्री, आईएएस और डीएसपी से जुड़ी बातचीत के चैट और स्क्रीनशॉट मिलने की बात सामने आई है, जिसकी जांच की जा रही है।

वहीं अच्छी पोस्टिंग दिलाने के नाम पर चार एडिशनल एसपी, तीन डीएसपी और टीआई समेत कई पुलिस अधिकारियों से पैसे लेने, होटल के कमरों में खुफिया कैमरों और सीडी की चर्चा भी सामने आई है। पुलिस का कहना है कि इन बातों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है और ऐसी कोई सीडी पुलिस को नहीं मिली है।

उल्लेखनीय है कि दीपक टंडन ने पूर्व में तत्कालीन डीएसपी कल्पना वर्मा पर रिश्वत, ब्लैकमेलिंग और धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे। उनका दावा था कि डीएसपी ने प्रेम संबंध में फंसाकर शादी का झांसा दिया और उनसे नकदी, महंगी गाड़ी और गहने लिए। दूसरी तरफ कल्पना वर्मा ने कहा था कि टंडन उनसे ली गई रकम वापस नहीं कर पा रहा था, और देनदारी से बचने के लिए उसने सोशल मीडिया से तस्वीरें लेकर फर्जी चैट तैयार की थी।

यह मामला अभी शिकायत और जांच के स्तर पर है। अदालत में अभी कुछ भी साबित नहीं हुआ है। आगे रायपुर वाले मामलों में रिमांड का फैसला, बाकी 11 शिकायतों की जांच, बरखा के मोबाइल से मिली सामग्री की पड़ताल और बिलासपुर वाले मामले में जमानत के लिए ऊपरी अदालत का रास्ता देखा जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट से अमित बघेल को बड़ी राहत, सभी 14 मामलों में मिली नियमित जमानत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



छत्तीसगढ़ की सियासत से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के संस्थापक और जोहार छत्तीसगढ़िया पार्टी के अध्यक्ष अमित बघेल को बड़ी राहत दी है। हेट स्पीच से जुड़े सभी 14 मामलों में सर्वोच्च अदालत ने उन्हें नियमित जमानत दे दी है। इतना ही नहीं, कोर्ट ने रायपुर जिले से बाहर रहने की शर्त को भी खत्म कर दिया है। इससे अब अमित बघेल रायपुर में रहकर अपनी राजनीतिक गतिविधियां संचालित कर सकेंगे।

बताया जा रहा है कि कोर्ट में बचाव पक्ष की ओर से दलील दी गई कि सभी मामले एक ही प्रकृति के हैं और लंबे समय से चल रही कानूनी प्रक्रिया के कारण उन्हें राहत दी जानी चाहिए। वहीं, कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए शर्तों के साथ जमानत मंजूर की। इस फैसले के बाद छत्तीसगढ़ की राजनीति में नई हलचल देखने को मिल रही है। समर्थकों में उत्साह है, वहीं राजनीतिक गलियारों में इस फैसले के दूरगामी असर पर चर्चा तेज हो गई है।



सीए की घोषणा को अमल में लाने मंत्री यादव के साथ जिला प्रशासन ने किया स्थल निरीक्षण

आम नागरिकों को विभिन्न कार्यों के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, प्रशासनिक कार्यों में भी अधिक समन्वय और गति आएगी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा दुर्ग जिला मुख्यालय में नवीन कंपोजिट बिल्डिंग निर्माण की गई घोषणा को शीघ्र धरातल पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई। कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव के साथ कलेक्टर अभिजीत सिंह, एसपी विजय अग्रवाल, पीडब्ल्यूडी, अपर कलेक्टर, एसडीएम तथा जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रस्तावित स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया।

सुबह लगभग 11 बजे से एक घंटे तक चले निरीक्षण के दौरान शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव एवं अधिकारियों ने कलेक्टरेट परिसर का पैदल भ्रमण कर वर्तमान भवनों, पार्किंग व्यवस्था, भू-अभिलेख कार्यालय, निर्वाचन शाखा, एनआईसी, विभिन्न विभागीय कार्यालयों तथा उपलब्ध भूमि का बारीकी से अवलोकन किया। इस दौरान अधिकारियों ने नवीन कंपोजिट बिल्डिंग के निर्माण से संबंधित विभिन्न तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की।

निरीक्षण के दौरान प्रस्तावित भवन में सभी विभागों के कार्यालयों को एकीकृत रूप से स्थापित करने, आधुनिक सुविधाओं से युक्त मीटिंग हॉल, पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था, सुव्यवस्थित प्रवेश द्वार, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, डिजिटल प्रशासनिक व्यवस्था तथा नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक अधोसंरचना विकसित करने को कहा गया।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कलेक्टरेट



परिसर में संचालित सभी विभागों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की संख्या तथा भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भवन का ड्राइंग एवं डिजाइन तैयार किया जाए। उन्होंने शीघ्र विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार कर शासन को प्रस्तुत करने तथा निर्माण कार्य प्रारंभ करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए।

कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप दुर्ग में बनने वाली यह नवीन कंपोजिट बिल्डिंग केवल एक प्रशासनिक भवन नहीं होगी, बल्कि आने वाले कई दशकों तक सुशासन, पारदर्शिता और जनसुविधा का सशक्त केंद्र बनेगी। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के एक ही परिसर में संचालित होने से आम नागरिकों को विभिन्न कार्यों के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे तथा प्रशासनिक कार्यों में भी अधिक समन्वय और गति आएगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के नेतृत्व में दुर्ग निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। आईटी पार्क, इंडोर स्विमिंग पूल, अधोसंरचना विकास कार्यों के बाद अब आधुनिक कंपोजिट बिल्डिंग का निर्माण दुर्ग को एक सुव्यवस्थित एवं आधुनिक प्रशासनिक शहर के रूप में नई पहचान प्रदान करेगा। यह भवन विकसित हो रहे नए दुर्ग की पहचान और सुशासन का प्रतीक बनेगा।

निरीक्षण के दौरान जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों ने प्रस्तावित निर्माण कार्य के विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए तथा निश्चित समय अवधि में पूर्ण करने पर चर्चा की।

खास खबर

वार्ड नं. 3 मॉडल टाउन में भाजपा कार्यकर्ताओं दीपावली मिलन समारोह हुआ संपन्न



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वार्ड नं. 3 मॉडल टाउन में भारतीय जनता पार्टी कार्यकताओं द्वारा दीपावली मिलन समारोह का आयोजन शिव मंदिर परिसर, मॉडल टाउन में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा कोहका मंडल महामंत्री प्रदीप साहू, मंडल उपाध्यक्ष अक्षय श्रीवास एवं किसान मोर्चा के मिलन साहू थे। कार्यक्रम का संचालन रमेश साहू 'दादर' ने किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्व पार्षद श्रीमती सरोज साहू, मंडल उपाध्यक्ष पुष्पा शर्मा, शक्ति केंद्र संयोजक अभिजित शर्मा, श्रीमती रेणु देशमुख, श्रीमती संध्या ठाकूर, मनु शर्मा, राजदेव वर्मा का विशेष सहयोग रहा। वहीं वार्ड की महिला समिति ने भजन गायन की प्रस्तुति दी, जिसने सभी का मन मोह लिया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से श्रीमती ममता साहू, श्रीमती नमिता त्रिपाठी, श्रीमती अल्का श्रीवास्तव, श्रीमती शिल्पा पाटिल, श्रीमती अनुराधा वानखेड़े, श्रीमती लक्ष्मी सूर्यवंशी, श्रीमती प्रभा दिवान, सुशिला साहू, अजिता सिंह, सरिता सोनी, मधु श्रीवास्तव, सरिता मेहता, पद्मिनी देवांगन, रेखा पांडेय, उमा, रामकिशोर यादव, उमेश साहू, भरत पांडेय, कृष्णा यादव, भागवत भारती, प्रणव काले, मुकेश सरागे, भोलाकिशन रजक सहित सैकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम में सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

भिलाई स्टील प्लांट से कॉपर वायर चोरी करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार



दुर्ग। भिलाई स्टील प्लांट में प्रवेश कर कॉपर केबल वायर चोरी करने वाले दो आरोपियों को भिलाई भट्ठी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 11.200 किलोग्राम चोरी का कॉपर वायर, कीमत लगभग 8,000 रुपये बरामद किया गया है।

19 नवंबर 2026 को केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, इकाई बीएसपी भिलाई द्वारा थाना भिलाई भट्ठी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि भिलाई स्टील प्लांट के एसएमएस-03 स्थित कोयला क्षेत्र के पास से दो व्यक्तियों द्वारा संयंत्र परिसर में प्रवेश कर कॉपर केबल वायर के टुकड़े चोरी किए गए हैं। चोरी का सामान लेकर जाते समय दोनों आरोपियों को मरोदा रेलवे गेट के पास CISF द्वारा पकड़ा गया। रिपोर्ट पर थाना भिलाई भट्ठी में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस द्वारा दोनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में चोरी की घटना में संलिप्तता सामने आने पर उनके कब्जे से 11.200 किलोग्राम कॉपर केबल वायर जप्त किया गया। दोनों आरोपियों को 19 नवंबर को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

गिरफ्तार आरोपी में चंदन बाग, उम्र 20 वर्ष, निवासी शंकर पारा, स्टेशन मरोदा, थाना नेवई, जिला दुर्ग और तामेश्वर निहाल, उम्र 20 वर्ष, निवासी शंकर पारा, स्टेशन मरोदा, थाना नेवई, जिला दुर्ग है। कार्यवाही में थाना भिलाई भट्ठी के थाना प्रभारी निरीक्षक धीरेन्द्र दुबे, प्रधान आरक्षक परस राम साहू, जगतपाल जांगड़े तथा आरक्षक बालेन्द्र द्विवेदी, युगल देवांगन, जयनारायण यादव एवं आशीष प्रसाद की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नगर निगम भिलाई के महापौर परिषद की बैठक में विकास कार्यों को मिली सहमति

राजस्व वसूली के लिए नया सॉफ्टवेयर होगा लागू

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



नगर पालिक निगम भिलाई के महापौर परिषद की बैठक महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता एवं निगम आयुक्त सुरूचि सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में शहर के विकास, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार, राजस्व वसूली व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को मजबूत करने से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। महापौर परिषद के सदस्यों ने सभी विषयों पर विचार-विमर्श करने के पश्चात संबंधित कार्यों को कराए जाने के लिए सर्वसम्मति से अनुशंसा प्रदान की।

बैठक के प्रथम चरण में निकाय के संपतिकर, राजस्व कर एवं विभिन्न शुल्कों की वसूली से संबंधित आंकड़ों के संचालन एवं प्रबंधन में विश्वसनीयता और गुणवत्ता को मजबूत करने के उद्देश्य से वर्तमान निजी एजेंसी द्वारा उपयोग किए जा रहे सॉफ्टवेयर के स्थान पर नया सॉफ्टवेयर लागू करने के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। निकाय द्वारा अनुमोदित एक्सिस बैंक के माध्यम से विकसित सॉफ्टवेयर का समुचित परीक्षण किया जाएगा। परीक्षण में सफल एवं उपयुक्त पाए जाने पर इसी सॉफ्टवेयर का उपयोग राजस्व करों की वसूली के लिए किए जाने पर महापौर परिषद ने सहमति प्रदान की। इससे राजस्व संबंधी आंकड़ों के बेहतर प्रबंधन और वसूली प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी। इसी प्रकार 15वें वित्त आयोग अंतर्गत मिलियन प्लस सिटी के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को और सुदृढ़ करने आधुनिक वाहनों/मशीनों से सफाई व्यवस्था एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सकेगा।

15वें वित्त आयोग के मिलियन प्लस सिटी अंतर्गत अनटाइड ग्रांट एवं टाइड ग्रांट के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन घटक के तहत विभिन्न निर्माण कार्यों के प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई। इसमें जोन क्रमांक-2 अंतर्गत सीमेंटीकरण रोड निर्माण के लिए 3 करोड़ रुपये, वार्ड क्रमांक 20, 21 एवं 23 में सीवर लाइन बिछाने के लिए 1 करोड़ 68 लाख रुपये तथा वार्ड क्रमांक 24 हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में सीवरेज नवीनीकरण एवं नवीन सेप्टिक टैंक निर्माण के लिए 1 करोड़ 74 लाख रुपये की लागत के कार्य शामिल हैं। इन कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति एवं निविदा आमंत्रित करने की अनुमति के लिए महापौर परिषद ने अनुशंसा प्रदान की।

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना मद अंतर्गत शहर के महत्वपूर्ण मार्ग नंदिनी रोड का चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण किए जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की गई। जोन क्रमांक-3 में एसीसी चौक से पावर हाउस चौक तक नंदिनी रोड का चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण कुल 2 करोड़ 79 लाख 90 हजार रुपये की लागत से कराया जाएगा। इस कार्य से मार्ग की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ ही क्षेत्र की सुंदरता में भी वृद्धि होगी।

बैठक में लिए गए इन निर्णयों से शहर की सड़क अधोसंरचना, सीवरेज व्यवस्था, सफाई संसाधनों एवं राजस्व प्रबंधन को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होगी। निगम द्वारा स्वीकृत एवं अनुशंसित कार्यों को नियमानुसार आगे की प्रक्रिया पूर्ण कराकर धरातल पर उतारने की दिशा में कार्य किया जाएगा। बैठक में महापौर परिषद के सदस्य लक्ष्मीपति राजू, सीजू पुन्नीनी, संदीप निरंकारी, आदित्य सिंह, साकेत चंद्राकर, केशव चौबे, एकांश बंछोर, चंद्रशेखर गवई, मन्नान गफ्फार खान उपस्थित रहे। इसके अलावा अपर आयुक्त राजेन्द्र कुमार दोहरे उपायुक्त दिनेश कोसरिया, तरुणपाल लहरे, विजय पांडेय, सीमा बक्शी, कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा, सुनील जैन, अनिल सिंह, अरविन्द शर्मा, लेखाधिकारी चंद्रभूषण साहू, उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू, बी एल असाटी, धर्मेन्द्र मिश्रा, दिलीप कुर्वे, राजेश पालवे एवं देवव्रत राजपूत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री यादव हत्याकांड में चार आरोपियों को आजीवन कारावास



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

गंजपारा नाका चौक के पास हुए चर्चित श्रीराम यादव उर्फ मंत्री यादव हत्याकांड में प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश, दुर्ग ने चार आरोपियों को हत्या एवं आपराधिक षड्यंत्र सहित विभिन्न धाराओं में दोषसिद्ध करते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दुर्ग पुलिस की प्रभावी विवेचना और अभियोजन की पैरवी से यह दोषसिद्धि संभव हुई।

21 मई 2024 को रात्रि लगभग 8:15 बजे गंजपारा नाका चौक के पास श्रीराम यादव उर्फ मंत्री यादव का रास्ता रोककर आरोपियों ने मारपीट की तथा धारदार हथियार एवं कड़े से हमला किया। गंभीर चोटों के कारण उनकी मृत्यु हो गई थी।

घटना की सूचना पर थाना दुर्ग में अपराध क्रमांक 272/2024 पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। पुलिस द्वारा घटनास्थल निरीक्षण, प्रत्यक्षदर्शियों एवं अन्य गवाहों के कथन, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल फोन के तकनीकी साक्ष्य, जब्त सामग्री तथा चिकित्सकीय एवं फॉरेंसिक साक्ष्यों का संकलन कर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया।

सत्र प्रकरण क्रमांक 175/2024 में 18 नवंबर 2026 को निर्णय पारित करते हुए न्यायालय ने चारों आरोपियों को दोषसिद्ध किया।

दोषसिद्ध आरोपी में अक्षत दुबे उर्फ मान्या, उम्र 23 वर्ष, निवासी कादम्बरी नगर, शिव मंदिर के पास, दुर्ग, शुभम शर्मा, उम्र 25 वर्ष, निवासी आदित्य नगर, बिजली ऑफिस के पास, दुर्ग, वंश राजपूत, उम्र 19 वर्ष, निवासी गयाना नगर, मां चंडिका अस्पताल के पास, दुर्ग और अमिताभ उर्फ चंदू, उम्र 19 वर्ष, निवासी हरी नगर, मुस्कान पैलेस के पास, दुर्ग शामिल हैं।

चारों दोषसिद्ध आरोपियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 सहपठित धारा 34 एवं धारा 120बी के अंतर्गत आजीवन कारावास से दंडित किया गया है। इसके अतिरिक्त धारा 341 सहपठित धारा 34 के अंतर्गत एक माह का साधारण कारावास एवं अर्थदंड दिया गया है। आरोपी अक्षत दुबे उर्फ मान्या एवं शुभम शर्मा को आयुध अधिनियम की धारा 25(1-ख) एवं 27 के अंतर्गत क्रमशः दो वर्ष एवं तीन वर्ष के सश्रम कारावास से भी दंडित किया गया है।

आज से पूरे एक साथ छत्तीसगढ़ में प्रदर्शित होने जा रही है फिल्म आय बाय सांय

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



जबरदस्त कॉमेडी हॉरर एवं पारिवारिक फिल्म आए बाय सांय 20 नवंबर से पूरे छत्तीसगढ़ में एक साथ रिलीज होने जा रही है इस फिल्म के डायरेक्टर प्रणव झा और निर्माता एवं फिल्म के नायक राज वर्मा, धनेश साहू, कुबेर नेताम के साथ ही फिल्म की हीरोइन एल्सा घोष, आराधना साहू एवं किरण भौजी के साथ ही फिल्म के अन्य कलाकार काका और सेवक राम भिलाई जुबली पार्क पहुंचे ।

इस दौरान फिल्म के निर्माता राज वर्मा एवं फिल्म के डायरेक्टर लेखक प्रणव झा ने यहाँ कुछ संवाददाताओं से चर्चा करते हुए बताया कि इस फिल्म के प्रमुख कलाकार इनफ्लुएंसर एवं धनेश की आराधना फिल्म से दर्शकों के दिलों में अपनी अलग पहचान बना चुके धनेश साहू के साथ ही छत्तीसगढ़ी एवं साउथ फिल्मों की जबरदस्त एक्टर एवं चुलबुली एक्टर एल्सा घोष के साथ ही छालीवुड की जूही चावला आराधना साहू एवं राज वर्मा के अलावा किरण भौजी और फेमस यूट्यूबर काका और सेवकराम के साथ अन्य कलाकार इस फिल्म में अपनी महती भूमिका निभाया है।

फिल्म के डायरेक्टर प्रणव झा ने बताया कि यह दो लोकों की कहानी है भूत लोक में रहने वाली तीनों बहन जो फिल्म की हीरोइन है धरती लोक पर रहने वाले तीनों हीरो से प्यार करती है इसी को लेकर जबरदस्त कॉमेडी के साथ हॉरर एवं शुद्ध पारिवारिक फिल्म बनाई गई है जो दर्शकों को बहुत ही पसंद आएगी। फिल्म के निमार्ता एवं हीरो राज वर्मा व डायरेक्टर प्रणव झा, धनेश साहू, एल्सा घोष ने दर्शकों से अपील की है कि वह एक बार फिल्म देखने जरूर आए। यह एक फूल इंटरटेनमेंट के साथ पैसा वसूल फिल्म है।

48वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस का भव्य शुभारंभ भारतीय भाषाओं में विज्ञान शिक्षा व अनुसंधान पर हुआ मंथन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी, प्रयागराज के तत्वावधान में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग तथा छत्तीसगढ़ के चार अन्य प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के संयुक्त सहयोग से आयोजित 48वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस का भव्य उद्घाटन समारोह आज बीआईटी ऑडिटोरियम, दुर्ग में संपन्न हुआ।

सम्मेलन का उद्घाटन स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने किया। वे उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद विजय बघेल तथा दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष प्रो. जी.डी. शर्मा ने की। 19 से 21 नवंबर तक आयोजित इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय कांग्रेस का केंद्रीय विषय "भारतीय भाषाओं में विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान" है।

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि ज्ञान-विज्ञान एवं अनुसंधान को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए भारतीय भाषाओं में शिक्षा और शोध को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। उन्होंने वैदिक काल की शोध परंपरा का उल्लेख करते हुए बताया कि प्राचीन भारत में संस्कृत भाषा के माध्यम से ज्ञान-विज्ञान का व्यापक विकास हुआ था। जनजातीय गौरव दिवस के संदर्भ में उन्होंने आदिवासी समुदायों की भाषाओं एवं सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया।

कुलपति प्रो. डॉ. संजय तिवारी ने कहा कि शोध केवल अकादमिक प्रकाशन तक सीमित न रहे, बल्कि उसका सीधा लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन, जापान जैसे देशों में विज्ञान एवं अनुसंधान का कार्य उनकी अपनी भाषाओं में किया जाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनइ-2020) का उद्देश्य भारतीय भाषाओं में ज्ञान का सृजन करना तथा अपनी भाषाओं में पुस्तकों एवं अध्ययन सामग्री का निर्माण करना है। उन्होंने बताया कि इस कांग्रेस में लगभग 48 शोध समितियों का गठन किया गया है।

पूर्व अध्यक्ष प्रो. राधा प्रसाद राणा प्रताप सिंह ने कहा कि उभरते हुए ज्ञान को शिक्षण पद्धति एवं उच्च शिक्षा में समाहित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भाषा केवल तकनीकी माध्यम नहीं है, बल्कि यह मनुष्य के अंतर्मन एवं विचारों की अभिव्यक्ति है। मौलिक चिंतन के लिए अपनी भाषा में अभिव्यक्ति आवश्यक है। इसके पश्चात श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई के कुलाधिपति आई.पी. मिश्रा ने कविता पाठ के माध्यम से अतिथियों को संबोधित किया और हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के महत्व को रेखांकित किया।

स्मारिका एवं शोध संक्षिप्तिका का विमोचन

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि गजेंद्र यादव ने 48वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस की स्मारिका एवं शोध संक्षिप्तिका का विमोचन किया। इसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त 185 से अधिक शोध पत्रों को शामिल किया गया है।

इस अवसर पर दुर्ग नगर निगम अध्यक्ष श्याम शर्मा, आई.पी. मिश्रा, प्रो. अनूप मिश्रा, एन.सी. गौतम, स्मिता स्लाटे, अनूप शर्मा, आईआईटी भिलाई के निदेशक राजीव चंद्राकर, अकादमी के सचिव प्रो. डॉ. एन.पी. चौबे सहित अनेक वरिष्ठ शिक्षाविद् उपस्थित रहे।

इस राष्ट्रीय कांग्रेस का आयोजन हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग; श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई; छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई; आईआईटी भिलाई तथा पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के संयुक्त सहयोग से किया जा रहा है। आयोजन स्थल पर छत्तीसगढ़ की विभिन्न जनजातीय संस्कृति तथा कला कृतियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। आज दस अलग-अलग सभागार में अलग-अलग विषयों के समानांतर तकनीकी सत्र संपन्न होंगे।

रिसाली मंडल में दीपावली मिलन समारोह संपन्न, सांसद-विधायक ने दी शुभकामनाएं

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई



भारतीय जनता पार्टी रिसाली मंडल द्वारा आयोजित दीपावली मिलन समारोह में दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर और दुर्ग भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक शामिल होकर नगरवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

रुआबांधा वार्ड-03, रुआबांधा वार्ड-06, तालपुरी बी ब्लॉक वार्ड-01 एवं आशीष नगर वार्ड-25 में आयोजित चारों दीपावली मिलन समारोह में शामिल होकर सभी के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में दीप प्रज्वलित कर दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। साथ ही देव उठनी एकादशी व छोटी दीपावली की शुभकामनाएं भी दी गईं।

इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने कहा कि दीपावली का पर्व हमें अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास की नई रोशनी फैली है और भाजपा का कार्यकर्ता ही इस रोशनी को हर घर तक पहुंचाने का काम कर रहा है। उन्होंने सभी वार्डवासियों से आह्वान किया कि इस दीपावली पर हम सभी मिलकर अपने समाज को संगठित, स्वच्छ और सशक्त बनाने का संकल्प लें।

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि दीपावली केवल दीपों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह आपसी भाईचारे, प्रेम और एकता का प्रतीक है। भाजपा का हर कार्यकर्ता समाज के अंतिम व्यक्ति तक खुशियां पहुंचाने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश निरंतर विकास की ओर अग्रसर है, और इस दीपावली पर हम सभी को एक संकल्प लेना है कि अपने वार्ड, अपने शहर और अपने प्रदेश को स्वच्छ, सुरक्षित और समृद्ध बनाएं।

जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक ने कहा कि दीपावली मिलन समारोह भाजपा की संगठन शक्ति और कार्यकताओं के आपसी जुड़ाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि रिसाली मंडल के कार्यकताओं ने हर वार्ड में जिस उत्साह और एकजुटता के साथ कार्यक्रम आयोजित किए हैं, वह सराहनीय है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से आह्वान किया कि त्योहारों की इस खुशी को संगठन की मजबूती में बदलें और हर बूथ को मजबूत कर भाजपा को और अधिक सशक्त बनाएं।

इस अवसर पर रिसाली नगर निगम चुनाव प्रभारी अनुराग सिंह देव, मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, राजू जंघेल, शिव चंद्राकर, मंडल प्रभारी शिवेन्द्र परिहार, पार्षद सारिका साहू, प्रेम साहू, शीला नारखड़े, सविता धवज, मनीष यादव, बाबी दास, विक्की सोनी, सचिन गोस्वामी, वार्ड प्रभारी गायत्री वर्मा, अशोक राठी, सरिता मिश्रा, सहप्रभारी आयुषी पाण्डेय, रीता मेश्राम, अनिकेत यादव, सुनील साहू, रजनीश श्रीवास्तव, पप्पू तिवारी सहित सभी बूथ अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

बैंकों की सुरक्षा को लेकर नॉर्थ जोन पुलिस का विशेष अभियान, पांचों थानों में हुई बैंक बाइक पेट्रोलिंग

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों की सुरक्षा को लेकर नॉर्थ जोन पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। पांचों थाना क्षेत्रों में विशेष टीम गठित कर बैंकों, एटीएम एवं आसपास के क्षेत्रों में सघन बाइक पेट्रोलिंग की गई। पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ जोन) दीपमाला कश्यप के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नॉर्थ जोन आदित्य पाण्डेय के पर्यवेक्षण में नॉर्थ जोन के पांचों थाना क्षेत्रों में अलग-अलग विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया।

गठित टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों में स्थित विभिन्न बैंकों, एटीएम एवं उनके आसपास के क्षेत्रों में विशेष बैंक बाइक पेट्रोलिंग की। इस दौरान बैंक परिसरों एवं आसपास आने-जाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों तथा उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखी गई। साथ ही बैंक प्रबंधन एवं वहां तैनात सुरक्षा कर्मियों से चर्चा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा आवश्यक सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए।



अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने बैंक में नगदी जमा एवं आहरण करने आने वाले नागरिकों को विशेष रूप से सतर्क रहने की समझाइश दी। नागरिकों को बताया गया कि बैंक से बड़ी रकम निकालने के दौरान अनजान व्यक्तियों पर विश्वास न करें, किसी के बहकावे में न आएं तथा नगदी लेकर जाते समय विशेष सावधानी बरतें। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई।

इसके अतिरिक्त नागरिकों को ऑनलाइन बैंकिंग, एटीएम एवं डिजिटल लेन-देन के दौरान होने वाली वित्तीय धोखाधड़ी के प्रति जागरूक किया गया। बताया गया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ डब्ठड, अठठ ढक्ट, उश्ए एवं बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करें। अनजान लिंक पर क्लिक करने तथा किसी के कहने पर स्क्रीन शेयरिंग या रिमोट एक्सेस एप डाउनलोड करने से बचें।

बैंक आने-जाने वाले वरिष्ठ नागरिकों एवं आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस की सक्रिय उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

खास खबर

जेल से रिहा होते ही आजम खान का बड़ा बयान: अब चुनाव नहीं इंकिलाब होगा

रामपुर। जेल से रिहा होते ही समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खान ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अब चुनाव नहीं इंकिलाब होगा। आजम खान ने कहा, "अगर मैं बकरी चोर, मुर्गी चोर होकर यूनिवर्सिटी बना सकता हूं तो मैं चाहता हूं हर गली में मुर्गी, बकरी चोर हो। अब लोग धर्म या जाति के नाम पर नहीं लड़ेंगे।" उन्होंने आगे कहा कि "हम जैसे लोग संविधान और इस व्यवस्था के लिए जान देने को तैयार थे, आज भी तैयार हैं।" जेल से बाहर आते ही आजम खान के इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। उनके समर्थकों में भी उत्साह देखा जा रहा है।

बीएससी नर्सिंग में 10 परसेंटाइल वालों को भी मिलेगा प्रवेश, शासन ने दी अनुमति

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के चिकित्सा शिक्षा विभाग ने वर्ष 2026 बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम में 10 परसेंटाइल तक प्रासांक प्राप्त अभ्यर्थियों को प्रवेश की अनुमति दे दी है। चिकित्सा शिक्षा विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर से 18 नवंबर 2026 को जारी आदेश में आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा छत्तीसगढ़ को इस संबंध में निर्देश दिए गए हैं।

आदेश के अनुसार छ.ग. नर्सिंग पाठ्यक्रम प्रवेश नियम, 2026 के नियम 16 एवं 17 अनुसार छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में 10 परसेंटाइल तक प्रासांक प्राप्त अभ्यर्थियों से बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति प्रदान किए जाने हेतु प्रस्ताव प्रेषित किया गया था। शासन स्तर से उक्त प्रेषित प्रस्ताव पर सहमति प्रदान की गई है। अतः प्रकरण में नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। यह आदेश अवर सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, चिकित्सा शिक्षा विभाग पूरन लाल साहू द्वारा जारी किया गया है। इस फैसले से नर्सिंग में प्रवेश की राह देख रहे हजारों अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिलेगी।

नर्सिंग में प्रवेश की तिथि बढ़ी, अब 30 नवंबर तक मिलेगा मौका

रायपुर। इंडियन नर्सिंग काउंसिल ने चिकित्सा शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ के आग्रह पर प्रदेश में नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश की तिथि 30 नवंबर तक बढ़ा दी है।

ज्ञात हो कि पहले काउंसिल ने प्रवेश तिथि बढ़ाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने स्वयं पहल करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से विशेष परिस्थितियों को देखते हुए छत्तीसगढ़ में तिथि बढ़ाने का अनुरोध किया था। स्वास्थ्य मंत्री की पहल पर अब काउंसिल ने तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया है, जिससे प्रदेश के सैकड़ों नर्सिंग अभ्यर्थियों को राहत मिलेगी।

प्राइवेट नर्सिंग कॉलेज एसोसिएशन ने जताया आभार

प्राइवेट नर्सिंग कॉलेज एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ ने इस निर्णय के लिए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को धन्यवाद ज्ञापित किया है। एसोसिएशन ने कहा कि मंत्री की पहल से छात्रों और कॉलेजों दोनों को बड़ी राहत मिली है।

काउंसलिंग कल से शुरू होने की संभावना : विभागीय सूत्रों के अनुसार काउंसलिंग प्रक्रिया कल से शुरू होने की संभावना है। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे विभागीय वेबसाइट पर लगातार नजर बनाए रखें और समय पर दस्तावेजों के साथ काउंसलिंग में शामिल हों।

छग में औद्योगिक निवेश का नया अध्याय, इंडस्ट्री डायलॉग में 1.07 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री साय ने 24 उद्योग समूहों को सौंपे इन्विटेशन टू इन्वेस्ट लेटर, लगभग 20 हजार युवाओं के लिए सृजित होंगे रोजगार के अवसर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ औद्योगिक निवेश और आर्थिक विकास के नए केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। राज्य सरकार की नई औद्योगिक विकास नीति और निवेश अनुकूल वातावरण के उत्साहजनक परिणाम सामने आ रहे हैं। नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ इंडस्ट्री डायलॉग चैप्टर-3 में प्रदेश को 24 उद्योग समूहों के माध्यम से 1 लाख 7 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन प्रस्तावित निवेशों से प्रदेश के लगभग 20 हजार युवाओं के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम में निवेशक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को इन्विटेशन टू इन्वेस्ट लेटर सौंपे और प्रदेश में निवेश के प्रति उनके विश्वास का स्वागत किया। उन्होंने उद्योगपतियों से आत्मीय संवाद कर उनके सुझाव सुने तथा उद्योग स्थापना से लेकर परियोजनाओं के क्रियान्वयन तक राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में उद्योगों के लिए आवश्यक संसाधन, बेहतर अधोसंरचना, पर्याप्त बिजली-पानी, कुशल मानव संसाधन और अनुकूल नीतिगत वातावरण उपलब्ध है। देश के मध्य में स्थित होने के कारण प्रदेश को बेहतर कनेक्टिविटी और बाजारों तक पहुंच का भी लाभ मिलता है। हमारी सरकार इन विशेषताओं को बड़े औद्योगिक निवेश, स्थानीय रोजगार और प्रदेश की आर्थिक समृद्धि में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है।

निवेश प्रस्तावों से आगे बढ़कर धरातल पर उतर रही औद्योगिक परियोजनाएं

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अगले महीने राज्य सरकार के तीन वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। इस अवधि में औद्योगिक विकास को नई दिशा देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। नई औद्योगिक विकास नीति और देश-विदेश में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग डेढ़-दो वर्षों में प्रदेश को साढ़े आठ लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि यह है कि निवेश प्रस्ताव अब वास्तविक औद्योगिक परियोजनाओं का स्वरूप ले रहे हैं। प्रदेश में लगभग 60 औद्योगिक परियोजनाओं में कार्य प्रारंभ हो चुका है। इससे स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ के प्रति निवेशकों का भरोसा केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वास्तविक निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के रूप में दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी प्राथमिकता केवल निवेश प्रस्ताव प्राप्त करना नहीं, बल्कि उन्हें समयबद्ध ढंग से धरातल पर उतारना और प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के अधिकाधिक अवसर सृजित करना है।

निवेशकों के लिए सरल प्रक्रियाएं, पारदर्शी व्यवस्था और त्वरित निर्णय

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार उद्योग स्थापना की प्रक्रियाओं को निरंतर सरल बना रही है। सिंगल विंडो सिस्टम को अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है, ताकि निवेशकों को आवश्यक अनुमतियां पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से प्राप्त हो सकें। उन्होंने बताया कि जन विश्वास अधिनियम के माध्यम से छोटे और प्रक्रियागत उल्लंघनों के लिए आपराधिक दंड के स्थान पर आर्थिक दंड की व्यवस्था की गई है। इससे व्यापार और उद्योगों के लिए अधिक विश्वासपूर्ण वातावरण तैयार हुआ है। सरकार का प्रयास है कि उद्यमी अनावश्यक प्रक्रियाओं में समय लगाने के बजाय उत्पादन, नवाचार और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

बदलते वक्त में निवेश और विकास की नई संभावनाएं

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई से बस्तर की परिस्थितियों में ऐतिहासिक बदलाव आ रहा है। सुरक्षा बलों के साहस और दृढ़ संकल्प से नक्सलवाद समाप्ति की ओर है। बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में सड़क, बिजली, संचार और अन्य बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि शांति और सुरक्षा का यह नया वातावरण बस्तर सहित पूरे प्रदेश में औद्योगिक निवेश की नई संभावनाएं पैदा कर रहा है। आने वाले समय में उद्योग, पर्यटन, कृषि प्रसंस्करण और स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्यमों के विस्तार से बस्तर के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने निवेशकों को छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में सहभागी बनने का आमंत्रण देते हुए कहा कि प्रदेश की रत्नगर्भा धरती प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। यहां उद्योगों के विस्तार के लिए व्यापक संभावनाएं हैं और राज्य सरकार निवेशकों के साथ पूरी प्रतिबद्धता से खड़ी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में विकसित छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उद्योग जगत की सक्रिय भागीदारी से प्रदेश को आर्थिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाया जाएगा।

मुख्य सचिव विकास शील ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार निवेशकों के लिए जवाबदेह, पारदर्शी और परिणामोन्मुखी प्रशासनिक व्यवस्था विकसित कर रही है। सिंगल विंडो सिस्टम में आवेदनों के निराकरण की समय-सीमा निर्धारित की गई है। समय पर निराकरण नहीं होने की स्थिति में प्रकरण को स्वचालित रूप से उच्च स्तर पर भेजने और निर्णय से असंतुष्ट आवेदकों के लिए अपील की व्यवस्था भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि शासन और उद्योग जगत को विकास के साझेदार के रूप में कार्य करना होगा। निवेशकों के सुझावों के आधार पर व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार किया जाएगा।

चित्रकोट को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन गंतव्य बनाने की तैयारी

मुख्य सचिव विकास शील ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन आधारित निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। विशेष रूप से बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता, जनजातीय संस्कृति और जैव विविधता पर्यटन विकास के लिए महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने बताया कि चित्रकोट जलप्रपात को अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसके साथ बस्तर के अन्य पर्यटन स्थलों को जोड़कर समग्र पर्यटन सर्किट विकसित करने का प्रयास है। इससे होटल, होम-स्टे, परिवहन, हस्तशिल्प और पर्यटन से जुड़े व्यवसायों में निवेश तथा स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

कृषि, वनोपज और आधुनिक तकनीक आधारित उद्योगों पर विशेष फोकस

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश का लगभग 45 प्रतिशत भूभाग वनों से आच्छादित है। लघु वनोपज, औषधीय पौधों, हर्बल उत्पादों, कृषि प्रसंस्करण और वेलनेस सेक्टर में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। बस्तर में स्थानीय उत्पादों की पहचान कर क्लस्टर आधारित मॉडल से उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, ब्रांडिंग और विपणन की संपूर्ण व्यवस्था विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की औद्योगिक पहचान अब कर्जा, खनन, इस्पात और सीमेंट जैसे परंपरागत क्षेत्रों से आगे बढ़ रही है। सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी जैसे भविष्य के उद्योगों में भी निवेश को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

नई औद्योगिक नीति से निवेशकों का विश्वास हुआ मजबूत : रजत कुमार

उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार ने नई औद्योगिक विकास नीति, निवेशकों के लिए उपलब्ध प्रोत्साहन और प्रक्रियाओं के सरलीकरण की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। उद्योग विभाग निवेश प्रस्तावों को वास्तविक औद्योगिक इकाइयों में परिवर्तित करने तथा निवेशकों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम को पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पूर्वी क्षेत्र के चेयरमैन एवं आरडीवी ग्रुप के चेयरमैन विनोद दुग्गड़ ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, उद्योग विभाग के संचालक प्रभात मलिक, सुखदेव नाहर, सतीश पारख, बजरंग गोयल सहित देशभर से आए उद्योगपति और निवेशक उपस्थित थे।

कार्यक्रम राज्यपाल डेका होंगे मुख्य अतिथि, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय करेंगे समारोह की अध्यक्षता

भारत मंडपम में आज गूंजेगी छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति राज्य दिवस पर पारंपरिक नृत्यों की होगी भव्य प्रस्तुति

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

देश की राजधानी में आयोजित 45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में आज छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध लोक संस्कृति, जनजातीय परंपराओं और पारंपरिक कलाओं का भव्य प्रदर्शन करेगा। भारत मंडपम नई दिल्ली के एम्फी थिएटर-01 में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य दिवस समारोह में प्रदेश के लोक कलाकार सात पारंपरिक नृत्य शैलियों के माध्यम से राज्य की सांस्कृतिक विविधता और विरासत को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करेंगे। शाम पांच बजे से आयोजित होने वाले इस समारोह में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका मुख्य अतिथि होंगे, जबकि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय समारोह की अध्यक्षता करेंगे।

छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोकनृत्य की प्रस्तुतियां होंगी : इस सांस्कृतिक संध्या का विशेष आकर्षण छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोकनृत्य होंगे। इनमें गौर नृत्य, गौरा-गौरी, भोजली, राउत नाचा, सुआ, पंथी और करमा नृत्य की प्रस्तुतियां शामिल हैं। इन लोकनृत्यों के माध्यम से प्रदेश के जनजातीय जीवन, सामाजिक परंपराओं, लोक आस्थाओं और ग्रामीण संस्कृति की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत की जाएगी। पारंपरिक वेशभूषा, लोक वाद्ययंत्रों और संगीत की संगत में कलाकारों की प्रस्तुतियां दिल्ली के दर्शकों को छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक दुनिया से रूबरू कराएंगी।

बस्तर की जनजातीय परंपराओं और प्रकृति से जुड़ी सांस्कृतिक अभिव्यक्ति, राउत नाचा, सुआ नृत्य,पंथी नृत्य होंगे प्रदर्शित : छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की विशेषता उसकी विविधता और सामुदायिक जीवन से जुड़ाव है। गौर नृत्य बस्तर की जनजातीय परंपराओं और प्रकृति से जुड़ी सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का प्रतीक है। गौरा-गौरी और भोजली लोक आस्था एवं पारंपरिक उत्सवों से जुड़े हैं। राउत नाचा छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा



और यादव समाज की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाता है। वहीं सुआ नृत्य महिलाओं की सामूहिक लोक अभिव्यक्ति, पंथी नृत्य सतनाम पंथ की आध्यात्मिक परंपरा और करमा नृत्य जनजातीय जीवन, प्रकृति तथा सामूहिक उल्लास का प्रतीक है।

देश-विदेश से आने वाले लोगों को छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना है : राज्य दिवस समारोह में उप मुख्यमंत्रीगण, मंत्रीगण, सांसद, विधायक, निगम- मंडल एवं आयोगों के अध्यक्षों सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रहेगी। संस्कृति एवं राजभाषा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश की पारंपरिक लोक कलाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना और देश-विदेश से आने वाले लोगों को छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना है।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत, स्थानीय हुनर और विकास की संभावनाओं को एक साथ प्रदर्शित किया जा रहा है : उल्लेखनीय है कि भारत मंडपम में छत्तीसगढ़ का पवेलियन भी देश-विदेश के आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। पवेलियन में प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, स्थानीय हुनर और विकास की संभावनाओं को एक साथ प्रदर्शित किया जा रहा है। यहां बस्तर की प्रसिद्ध बेलमेटल कला, जनजातीय आभूषण, पारंपरिक हस्तशिल्प, चांपा की कोसा सिल्क, हथकरघा वस्त्र और वनोपज से तैयार हर्बल उत्पाद विशेष आकर्षण हैं। कोदो, कुटकी और रागी जैसे मिलेट उत्पाद प्रदेश की कृषि एवं वन संपदा की पहचान प्रस्तुत कर रहे हैं। चित्रकोट जलप्रपात का 3क वर्चुअल रियलिटी अनुभव आगंतुकों को बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता से जोड़ रहा है। वहीं स्थानीय उद्यमियों और स्टार्टअप के नवाचार, नए उत्पाद और व्यावसायिक पहल छत्तीसगढ़ में स्वरोजगार एवं उद्यमिता की बढ़ती संभावनाओं को दर्शा रहे हैं।

राज्य दिवस समारोह शुक्रवार शाम 5 बजे से एम्फी थिएटर-01, भारत मंडपम, नई दिल्ली होगा। जिसमें मुख्य अतिथि: रमेन डेका, राज्यपाल, छत्तीसगढ़ होंगे, अध्यक्षता: विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ करेंगे। कार्यक्रम में प्रमुख प्रस्तुतियां: गौर, गौरा-गौरी, भोजली, राउत नाचा, सुआ, पंथी और करमा नृत्य मुख्य आकर्षण होंगे।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

क्रमांक /चार/रा.वि./2026/1024/333 भिलाई, दिनांक/17/11/2026

-:: फ्री -होल्ड हेतु दावा आपत्ति सूचना ::-

छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय महानदी भवन अटल नगर नवा रायपुर द्वारा छत्तीसगढ राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित अधिसुचना दिनांक 10.06.2026 के नियम 21 अनुसार नगर पालिक निकाय की भुमि का उपयोग आवासीय, वाणिज्यिक या अन्य प्रयोजनों हेतु हो रहा है, जो किसी व्यक्ति, संगठन आदि को पट्टे पर आमंत्रित की गई हो, तो ऐसी भुमि को संपरिवर्तन के अधिकार की श्रेणी में लाया जा सकेगा। विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण/विकास प्राधिकरण या किसी अन्य विधटित संस्था की होकर स्थानीय नगरीय निकाय के नियंत्रण या स्वामित्व में है, तथा उस पर विकसित एवं आवंटित भुखण्ड 30 वर्ष या उससे अधिक की कालावधि हेतु आवासीय या वाणिज्यिक या अन्य प्रयोजनों के लिए पट्टे पर दिए गए है, का फ्री-होल्ड में संपरिवर्तन किया जा सकेगा।

फ्री होल्ड के रूप में संपरिवर्तन के लिये निम्नांकित भूखण्ड धारियों द्वारा आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर कार्यालय मे आवेदन प्रस्तुत किया गया हैं जिस पर नियमानुसार कार्यवाही कर फ्री-होल्ड के रूप संपरिवर्तन किया जाना है। यदि किसी व्यक्ति को इस संबंध मे किसी प्रकर की कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

क.	पट्टाधारी का नाम पिता/पति का नाम	योजना का नाम	ब्लॉक क./भूखण्ड क.	आकार
1.	अली अख्तर पिता अली हसन	जवाहर नगर आवासीय योजना	13/2	135 व0मी0
2.	1. श्रीमती द्रोपती देवी सिंघानिया पति स्व0 बनवारी लाल अग्रवाल 2. श्री संजय अग्रवाल पिता स्व0 बनवारी लाल अग्रवाल	मोतीलाल नेहरू नगर पश्चिम आवासीय योजना भिलाई	60/11	216 व0मी0
3.	श्री पवन जैन आ0 हरप्रसाद जैन	प्रियदर्शनी नगर पूर्व आवासीय योजना भिलाई	05/07	330 व0मी0
4.	श्री परमजीत सिंह मंघेड़ा पिता स्व0 मक्खन सिंह मंघेड़ा	सर्कुलर मार्केट केम्प 02 भिलाई	14/06	120 व0फु0
5.	बृज किशोर सिंह पिता श्री देवलाल सिंह	कृष्णा नगर स्लाटर हाउस रोड सुपेला आवास सह व्यवसायिक	भूखण्ड पट्टा कमांक 290968	1680 व0फु0
6.	रॉकी लारेंस आ0 श्री सी0 वी0 लारेंस एवं श्रीमती कल्लुकरान फिलोमिना जोसेफ पति श्री सी0 वी0 लारेंस	मोतीलाल नेहरू नगर पूर्व आवासीय योजना भिलाई	30ए/07	5000 व0फु0
7.	सोहन लाल चंद्राकर पिता स्व0 पुरन लाल चन्द्राकर	मोतीलाल नेहरू नगर पूर्व आवासीय योजना भिलाई	82/12	700 व0फु0

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम भिलाई

संपादकीय

जो संख्या में ज्यादा होते हैं, वही बचे रहते हैं

किसी भी देश का वक्त व नेतृत्व बदलता है तो उसके साथ देश की सोच भी बदलती है। कई बार ऐसा भी होता है कि पुराने समय में ,पुराना नेतृत्व जिसे देश के लिए समस्या मानता है, देश को नुकसान समझता है तो बदलते वक्त के साथ नया नेतृत्व उसे देश के लिए फायदा मानता है,वह समझता है कि ऐसा करने पर देश को फायदा होगा। जैसे देश की आबादी की बात की जाए तो दो दशक पहले तक देश का राजनीतिक नेतृत्व देश की बढ़ती आबादी को देश के लिए सबसे गंभीर समस्या समझता था,उसका जो देश की आबादी को कम करने पर रहता था, इसके लिए सरकारी तौर पर योजना बनाई गई। लोगों से कहा गया कि वह परिवार नियोजन करें यानी परिवार छोटा रखें,एक या दो बच्चे बहुत हैं। तब नारा दिया जाता था कि बच्चे दो ही अच्छे।

आज देश की बड़ी आबादी को देश के लिए पूंजी की तरह देखा जाता है। यानी बड़ी आबादी है तो देश को कई तरह से फायदा है।अब पहले की तरह अत्यधिक जनसंख्या को देश के लिए बोझ और हर समस्या का कारण नहीं माना जाता है आज बढ़ती जनसंख्या को जनसांख्यिकीय लाभांश यानी डेमोग्राफिक डिविडेंट माना जाता है।आज देश की आबादी जितनी बढ़नी चाहिए उनती नही बढ़ रही है बल्कि पता चलता है कि भारत की आबादी धीमी गति से बढ़ रही है। इसलिए देश का नेतृत्व चाहता है कि देश की आबादी बढ़नी चाहिए इसकी एक वजह यह भी है कि दूसरे लोगों की आबादी तेजी से बढ़ रही है। उनके बीच अपने आपको बनाए व बचाए रखना है तो देश की आबादी तो बढ़ानी ही होगी और उन नीतियों को भी बदलना होगा जो देश की आबादी कम करने के हिसाब से बनाई गई थीं।

आबादी की बात होती है तो देश के स्तर के अलावा विश्व स्तर भी जब धर्म के आधार पर आबादी की बात होती है और पता चलता है कि इस समय सभी धर्मों के लोगों की कितनी आबादी है और अगले पचास साल मे किस धर्म की कितनी आबादी होगी तो उस हिसाब से भी जिस धर्म के लोगों की आबादी कम है और भविष्य मे और कम होना है तो उनको अपनी आबादी बढ़ाने के लिए तो सोचना ही होगा। प्यू रिसर्च सेंटर की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस वक्त विश्व में ईसाई समुदाय की आबादी सबसे ज्यादा है। दूसरे नंबर पर इस्लाम को मानने वाले समुदाय की आबादी है। इसी रिपोर्ट के मुताबिक 2020 में मुस्लिम आबादी 2.20 अरब थी जो 2035 में बढ़कर 2.57 अरब हो जाएगी ।वहीं ईसाई आबादी जो 2020 में 2.52अरब है,वह कम होकर 2.27 अरब होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक 2020 से 2070 के बीच विश्व की आबादी 29 प्रतिशत बढ़ेगी, इस दौरान मुस्लिम 80 प्रतिशत बढ़कर 3.6 अरब से ज्यादा होंगे। ईसाई 30 प्रतिशत बढ़कर 2.96 अरब रहेंगे। वैश्विक आबादी में मुस्लिम 26 प्रतिशत से बढ़कर 36 हो जाएंगे और ईसाई 29 प्रतिशत पर ही स्थिर रहेंगे।

इसकी वजह साफ है कि वैश्विक स्तर पर मुस्लिमों में प्रजजन दर सबसे ज्यादा है,एक मुस्लिम महिला तीन या तीन से ज्यादा बच्चे पैदा करती है ।गैर मुस्लिमों में यह दो बच्चे है। यानी मुस्लिमों महिलाओं से 25 करोड़ तो ईसाइयों में 20 करोड़ बच्चे पैदा हुए। यानी पांच करोड़ बच्चे ज्यादा ।बाकी समुदायों में आबादी स्थिर रहेगी या घटने का अनुमान है ।जहां तक भारत का सवाल है तो 2070 तक भारत में हिंदुओं की संख्या 1.18 अरब से बढ़कर 1.38 अरब होगी। दुनिया के मुकाबले सबसे ज्यादा हिंदू भारत में होंगे। यानी सबसे ज्यादा हिंदू आबादी वाला देश भारत ही रहेगा। वहीं 2070 तक इंडोनेशिया को पीछे छोड़कर पाकिस्तान सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला देश होगा ।भारत दूसरे नंबर पर रहेगा। आने वाले समय में अमरीका में ईसाई जो आज 62 प्रतिशत है,वह 2065 तक 50 प्रतिशत रह जाएंगे ।यूरोप में ईसाई 2070 तक घटकर 32 करोड़ रह जाएंगे।

भारत में हिंदू आज भी बहुसंख्यक हैं और 70 में भी बहुसंख्यक रहेंगे लेकिन आबादी हिंदुओं की जितनी बढ़ेगी,उससे ज्यादा मुस्लिमों की बढ़ेगी। इसलिए हिंदुओं की आबादी बढ़ाना है तो अब सरकार के साथ ही समाज को भी गंभीरता से सोचना होगा कि एक दो बच्चे नहीं कम से कम तीन बच्चे परिवार में होने चाहिए। दो बच्चे लोगों को परिवार के लिए पैदा करना चाहिए और तीसरा बच्चा देश के लिए पैदा करना चाहिए। देश में हिंदुओं का भला तो तब ही हो सकता है जब उनकी आबादी हमेशा बाकी समुदायों से ज्यादा रहे। इससे उनका हर क्षेत्र में ज्यादा प्रभाव रहेगा और वह अपने हित में सरकार को फैसला करने के लिए मजबूर कर सकेंगे। ज्यादा आबादी का परिणाम यह होता है कि सत्ता पर उसका हिस्सा ज्यादा रहता है। उसका राजनीतिक नेतृत्व प्रभावी रहता है ।ज्यादा आबादी मतलब ज्यादा लंबे समय तक समुदाय बना रहेगा,बचा रहेगा ।यह प्रकृति का नियम है जो संख्या में ज्यादा होते हैं, वह बचे रहते हैं। विश्व में बचे रहने के लिए अपनी संख्या ज्यादा रखने का प्रयास सब करते हैं,हिंदुओं को भी करना होगा।

किसान हितैषी नीतियों से कृषकों को मिल रहा संबल समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से खुशहाल हो रहे अन्नदाता

ऑनलाइन टोकन, पारदर्शी तौल और माइक्रो एटीएम से भुगतान की सुविधा ने धान खरीदी प्रक्रिया को बनाया अधिक आसान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों और अन्नदाताओं के आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता का सकारात्मक परिणाम खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में देखने को मिल रहा है। प्रदेश सहित कोंडागांव जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरूआत के साथ ही किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने और खरीदी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनाने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। शासन की इन पहलों से किसानों को न केवल आर्थिक संबल मिल रहा है, बल्कि धान विक्रय की प्रक्रिया भी पहले की अपेक्षा अधिक सुगम हो रही है।



जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाइन टोकन प्राप्त करने की सुविधा ने किसानों की परेशानी काफी कम कर दी है। अब किसानों को टोकन कटाने के लिए बार-बार उपार्जन केंद्रों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं, बल्कि वे घर बैठे ही टोकन प्राप्त कर अपनी सुविधानुसार धान विक्रय की तैयारी कर पा रहे हैं। वहीं इलेक्ट्रॉनिक तौलयंत्र से धान का वजन किए जाने से खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित हो रही है। इसके साथ ही माइक्रो एटीएम के माध्यम से उपार्जन केंद्र में ही भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

ऑनलाइन टोकन से आसान हुई धान बेचने की प्रक्रिया

धान खरीदी की व्यवस्थाओं से किसानों में संतोष और उत्साह का माहौल है। धान उपार्जन केंद्र गिरोला में पहले दिन अपनी उपज बेचने पहुंचे किसान दिलीप दिवान ने बताया कि वे पहले दिन 100 क्विंटल धान विक्रय करने आए हैं। उन्होंने ऑनलाइन टोकन के माध्यम से घर बैठे ही धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त किया, जिससे उन्हें काफी सहूलियत हुई। उन्होंने कहा कि मोबाइल एप के जरिए टोकन प्राप्त करने की व्यवस्था से समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है।

इसी तरह ग्राम गिरोला निवासी किसान पुनउराम शोरी ने बताया कि उपार्जन केंद्र में धान खरीदी की सुव्यवस्थित व्यवस्था है। ऑनलाइन टोकन की सुविधा से घर बैठे ही टोकन प्राप्त हो जाता है, जिससे किसानों को अनावश्यक परेशानी नहीं उठानी पड़ती। वहीं ग्राम सातगांव निवासी किसान मेघनाथ दीवान ने बताया कि उनका 16 क्विंटल धान का टोकन कटा है और वे पहले दिन ही अपनी उपज बेचने उपार्जन केंद्र पहुंचे हैं।

किसानों ने राज्य सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था और कम मात्रा में धान विक्रय करने पर भी समान प्रोत्साहन सहायता राशि देने के निर्णय की सराहना की। उन्होंने इसे किसानों के हित में लिया गया महत्वपूर्ण निर्णय बताते हुए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

कम धान विक्रय करने पर भी मिलेगी पूरी सहायता राशि

राज्य सरकार ने किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में पंजीकृत किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल के मान से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था की है। इसके साथ ही सरकार ने एक महत्वपूर्ण किसान हितैषी निर्णय लेते हुए यह सुनिश्चित किया है कि यदि कोई किसान निर्धारित अधिकतम उपार्जन सीमा 21 क्विंटल प्रति एकड़ से कम मात्रा में भी धान अथवा धान बीज का विक्रय करता है, तब भी उसे उसके बोए गए संपूर्ण सत्यापित रकबे के आधार पर प्रति एकड़ 13,839 रुपये की दर से पूरी सहायता राशि प्राप्त होगी। इससे किसानों को कम उपज विक्रय करने की स्थिति में भी आर्थिक सुरक्षा और प्रोत्साहन का लाभ मिलेगा।

राज्य सरकार की इन किसान हितैषी पहलों से शासन का उद्देश्य केवल धान की खरीदी तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाने के साथ उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना भी है। ऑनलाइन टोकन, पारदर्शी तौल, सुविधाजनक भुगतान और पूरी सहायता राशि सुनिश्चित करने जैसे निर्णय किसानों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। इन व्यवस्थाओं से जिले के अन्नदाताओं में विश्वास बढ़ा है और खेती-किसानी को आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल हुई है।

बिरसा मुंडा : जिसकी हुंकार से हिल उठा था अंग्रेजी शासन

महेन्द्र तिवारी

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल उन आंदोलनों और क्रांतिकारियों की गाथा नहीं है, जिनका उल्लेख इस देश की प्रमुख ऐतिहासिक पुस्तकों में मिलता है। इस इतिहास की एक महत्वपूर्ण धारा जंगलों, पहाड़ों और गाँवों में रहने वाले उन जनजातीय समुदायों के संघर्ष से भी निर्मित हुई है, जिन्होंने अपनी धरती, संस्कृति, परंपरा और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अंग्रेजी शासन को चुनौती दी। इन जननायकों में भगवान बिरसा मुंडा का नाम अत्यंत श्रद्धा और सम्मान के साथ लिया जाता है। उन्होंने बहुत कम आयु में जिस साहस, संगठन क्षमता और सामाजिक चेतना का परिचय दिया, वह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक विशिष्ट स्थान रखता है। बिरसा मुंडा केवल एक स्वतंत्रता सेनानी नहीं थे, बल्कि सामाजिक सुधारक, धार्मिक चेतना के संवाहक और जनजातीय अस्मिता के महान प्रतीक भी थे।



15 नवंबर 1875 को झारखंड के वर्तमान खूंटी जिले के उलिहातु गाँव में बिरसा मुंडा का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम सुगना मुंडा और माता का नाम करमी हातू था। उनका परिवार साधारण आर्थिक स्थिति वाला था। बचपन से ही उन्होंने अपने समाज को गरीबी, अभाव, सामाजिक भेदभाव और शोषण की परिस्थितियों में जीवन बिताते देखा। जंगल और जमीन जनजातीय समाज के जीवन का आधार थे। खेती, पशुपालन, वन उपज और सामुदायिक परंपराओं से उनकी आजीविका चलती थी। लेकिन अंग्रेजी शासन की नीतियों ने इस परंपरागत जीवन व्यवस्था को प्रभावित करना शुरू कर दिया था। जंगलों पर सरकारी नियंत्रण बढ़ रहा था और जनजातीय समुदायों के पारंपरिक भूमि अधिकार कमजोर किए जा रहे थे। बाहरी जमींदारों, ठेकेदारों और साहूकारों का हस्तक्षेप भी बढ़ता जा रहा था। परिणामस्वरूप अनेक परिवार अपनी ही पुश्तैनी जमीन पर पराए होते जा रहे थे।

बिरसा ने इस अन्याय को केवल आर्थिक समस्या के रूप में नहीं देखा, बल्कि इसे अपने समाज की अस्मिता और अस्तित्व से जुड़ा प्रश्न माना। उन्होंने अनुभव किया कि जब किसी समुदाय से उसकी जमीन, जंगल और सांस्कृतिक पहचान छीन ली जाती है, तब उसका पूरा जीवन संकट में पड़ जाता है। यही अनुभव आगे चलकर उनके संघर्ष की आधारशिला बना।

बिरसा मुंडा का व्यक्तित्व केवल राजनीतिक विद्रोह तक सीमित नहीं था। वे अपने समाज में फैली सामाजिक बुराइयों को भी दूर करना चाहते थे। उन्होंने लोगों को स्वच्छता, संयम, नैतिकता, आपसी एकता और पारंपरिक सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने अंधविश्वास, नशाखोरी और सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने की प्रेरणा दी। वे चाहते थे कि जनजातीय समाज अपनी मौलिक पहचान को समझे और बाहरी दबावों के सामने आत्मविश्वास के साथ खड़ा हो। उनकी शिक्षाओं से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में लोग उनके अनुयायी बने। उनके अनुयायियों ने उन्हें श्रद्धापूर्वक धरती आबा अर्थात धरती का पिता कहना शुरू किया। उनके धार्मिक और सामाजिक विचारों से बिरसाइत परंपरा का विकास हुआ।

उन्नीसवीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में बिरसा मुंडा का प्रभाव तेजी से बढ़ने लगा। उन्होंने जनजातीय समाज को संगठित करते हुए अन्यायपूर्ण शासन व्यवस्था के विरुद्ध आवाज उठाई। उनका उद्देश्य केवल अंग्रेजी सत्ता का विरोध करना नहीं था, बल्कि ऐसी व्यवस्था स्थापित करना था जिसमें जनजातीय समुदाय अपने सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का संचालन स्वयं कर सके। वे अपनी जमीन पर अपने अधिकार और अपनी परंपराओं के अनुसार जीवन जीने की स्वतंत्रता चाहते थे।

उनके नेतृत्व में 1899-1900 के दौरान जो व्यापक आंदोलन हुआ, वह उलगुलान के नाम से प्रसिद्ध है। उलगुलान का अर्थ है महाविद्रोह या महान हलचल। यह आंदोलन अंग्रेजी शासन, शोषणकारी जमींदारी व्यवस्था और जनजातीय अधिकारों के हनन के विरुद्ध एक संगठित प्रतिरोध था। बिरसा ने अपने अनुयायियों में यह विश्वास पैदा किया कि अन्याय को चुपचाप सहना उनकी नियति नहीं है। उन्हें अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर संघर्ष करना होगा। इस आंदोलन में बड़ी संख्या में पुरुषों के साथ महिलाओं ने भी भाग लिया। जनजातीय समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी ने इसे व्यापक जनांदोलन का स्वरूप प्रदान किया।

उलगुलान ने अंग्रेजी प्रशासन की नींद उड़ा दी थी। आंदोलन का प्रभाव खूंटी, तमाड़, बसिया, राँची और सिंहभूम के क्षेत्रों में फैल गया। अंग्रेजी शासन ने इसे कुचलने के लिए सैन्य बल और दमनकारी नीतियों का सहारा लिया। जनवरी 1900 में डोम्बारी पहाड़ी के निकट सैल रकब क्षेत्र में अंग्रेजी सेना और बिरसा के अनुयायियों के बीच भीषण संघर्ष हुआ। अंग्रेजी सेना की गोलीबारी में अनेक जनजातीय स्त्री-पुरुष मारे गए। यह घटना जनजातीय समाज के इतिहास में बलिदान और प्रतिरोध की एक दर्दनाक स्मृति बन गई। इसके बावजूद बिरसा के अनुयायियों का मनोबल पूरी तरह नहीं टूटा। उनका संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन गया।

अंग्रेजी शासन ने बिरसा मुंडा को पकड़ने के लिए व्यापक अभियान चलाया। अंततः 3 मार्च 1900 को उन्हें चक्रधरपुर क्षेत्र के जामकोपाई जंगल में गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें राँची जेल में बंद कर दिया गया। 9 जून 1900 को मात्र 24 वर्ष की आयु में जेल के भीतर उनका निधन हो गया। सरकारी विवरण में उनकी मृत्यु का कारण बीमारी बताया गया। उनका जीवन भले ही अल्पकालिक रहा, लेकिन उनके विचारों और संघर्ष ने जनजातीय चेतना को नई दिशा प्रदान की। इतनी कम आयु में उन्होंने जिस व्यापक जनसमर्थन और राजनीतिक जागरूकता का निर्माण किया, वह उनके असाधारण नेतृत्व का प्रमाण है।

बिरसा मुंडा के आंदोलन का प्रभाव उनके निधन के बाद भी बना रहा। अंग्रेजी शासन को जनजातीय भूमि अधिकारों और परंपरागत व्यवस्था से जुड़े प्रश्नों पर गंभीरता से विचार करना पड़ा। वर्ष 1908 में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम बनाया गया, जिसने जनजातीय भूमि के हस्तांतरण पर महत्वपूर्ण कानूनी प्रतिबंध लगाए। यद्यपि इस कानून के निर्माण के पीछे अनेक सामाजिक और प्रशासनिक परिस्थितियाँ थीं, फिर भी बिरसा के नेतृत्व में हुए आंदोलन ने भूमि अधिकारों के प्रश्न को औपनिवेशिक शासन के सामने प्रमुखता से रखा। इस दृष्टि से उनका संघर्ष केवल तत्कालीन विद्रोह नहीं था, बल्कि भविष्य में जनजातीय अधिकारों की कानूनी सुरक्षा की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित हुआ।

आजादी के बाद लंबे समय तक भारतीय इतिहास के व्यापक जनमानस में जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को अपेक्षित स्थान नहीं मिल पाया। लेकिन समय के साथ बिरसा मुंडा का व्यक्तित्व राष्ट्रीय चेतना का महत्वपूर्ण हिस्सा बना। वर्ष 2021 में भारत सरकार ने उनकी जयंती 15 नवंबर को प्रतिवर्ष जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। वर्ष 2024-25 को उनकी 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मनाया गया। राँची में उनके जीवन और संघर्ष को समर्पित भगवान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान सह स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय भी स्थापित किया गया है। ये प्रयास उनके योगदान को नई पीढ़ी तक पहुँचाने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं।

बिरसा मुंडा की प्रासंगिकता आज भी कम नहीं हुई है। विकास के नाम पर विस्थापन, प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार, वन संरक्षण, जनजातीय संस्कृति की सुरक्षा और स्थानीय समुदायों की भागीदारी जैसे प्रश्न आज भी हमारे सामने हैं। आधुनिक समाज को यह समझना होगा कि विकास का अर्थ केवल सड़क, भवन और उद्योगों का विस्तार नहीं है। विकास तभी सार्थक हो सकता है, जब उसमें मनुष्य की गरिमा, प्रकृति का संरक्षण और स्थानीय समुदायों के अधिकार सुरक्षित रहें। जंगलों को केवल आर्थिक संसाधन मानना और उनसे जुड़े समुदायों की परंपराओं की उपेक्षा करना उचित नहीं है। बिरसा मुंडा का संघर्ष हमें इसी संतुलन का महत्व समझाता है।

उनका जीवन यह भी सिखाता है कि किसी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता, सांस्कृतिक चेतना और आत्मसम्मान में निहित होती है। उन्होंने अपने समय के सबसे शक्तिशाली औपनिवेशिक शासन को चुनौती देने का साहस इसलिए किया, क्योंकि उन्हें अपने लोगों की पीड़ा का अनुभव था और उनके अधिकारों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता थी। उन्होंने यह विश्वास जगाया कि साधारण परिवार में जन्म लेने वाला व्यक्ति भी अपने विचारों, संकल्प और संघर्ष से इतिहास की दिशा बदल सकता है।

बिरसा मुंडा की स्मृति में दीप जलाना, उनकी प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित करना और उनकी जयंती मनाना तभी सार्थक होगा, जब हम उनके विचारों को अपने सामाजिक व्यवहार और राष्ट्रीय नीतियों में स्थान देंगे। जनजातीय समाज को सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास के समान अवसर उपलब्ध कराना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उनकी विरासत हमें यह याद दिलाती है कि किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी विविध संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं के सम्मान से बनती है।

धरती आबा बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, साहस और स्वाभिमान की ऐसी अमर गाथा है, जो समय के साथ और अधिक प्रासंगिक होती जा रही है। उन्होंने अपनी छोटी-सी उम्र में जो चेतना जगाई, वह आज भी करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका उलगुलान केवल अतीत की घटना नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध खड़े होने और अपने अधिकारों की रक्षा करने का शाश्वत संदेश है। जब तक जल, जंगल, जमीन और मानवीय गरिमा की रक्षा का प्रश्न जीवित रहेगा, तब तक बिरसा मुंडा का नाम भारतीय जनमानस में श्रद्धा और सम्मान के साथ लिया जाता रहेगा।

भव्य वीएफएक्स का कैनवास, पर वैचारिक विचलन में उलझी 'रामायण'

दिलीप कुमार पाठक

नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' आखिरकार पर्दे पर आ गई है, और एक दर्शक एवं विश्लेषक के तौर पर मेरे मन में कई मिली-जुली भावनाएं हैं। कुल मिलाकर यह एक ऐसी फिल्म है जिसका लेखक और निर्देशक रावण के प्रति थोड़ा ज्यादा उदार दिखते हैं। सच तो यह है कि लाख बहादुरी और विद्वता के बाद भी रावण एक दुराचारी ही था; वह कोई बहुत अच्छा इंसान नहीं था। रावण को एक ऐसा किरदार बना देना जो अपनी क्रूरता से अधिक अपनी महानता या गलत समझे जाने वाले नायक के रूप में उभरे, मूल महाकाव्य की आत्मा के साथ वैचारिक छेड़छाड़ है। रावण देवों का ज्ञाता और शिव भक्त जरूर था, लेकिन उसकी विद्वता तब अर्थहीन हो जाती है जब हम उसके कुकृत्यों की फेहरिस्त देखते हैं। निर्देशक ने कई जगह उसके कृत्यों के पीछे वैचारिक औचित्य ढूंढने की कोशिश की है, जो कि रामायण के मूल दर्शन के खिलाफ है।

फिर भी, इस फिल्म को जरूर देखा जाना चाहिए। तकनीक, वीएफएक्स और वर्चुअल प्रोडक्शन के मामले में यह आज के जमाने की एक ग्लोबल स्तर की फिल्म है, जो नया क्लास स्थापित करती है। फिल्म मेकिंग के लिहाज से यह भले ही पूर्ण या मास्टरपीस न हो, लेकिन पूरी तरह से कमजोर भी नहीं है। अगर कुछ बारीक चीजों और स्क्रीनप्ले पर थोड़ा और काम कर लिया जाता, और तथ्यों से छेड़छाड़ न की जाती, तो यह वाकई इतिहास की सबसे बेहतरीन फिल्मों में शुमार हो जाती।

भगवान राम का व्यक्तित्व इतना विशाल है कि जब कोई रचनाकार इसे अपने अंदाज में रचता है, तो उसमें निर्देशक का विजन तो दिखता ही है, लेकिन यहाँ निर्देशक ने कहानी को राम के नजरिए से कम, रावण के नजरिए से ज्यादा दिखाया है। रामायण जैसी विराट गाथा को महज तीन घंटे या दो भागों में समेटना आसान नहीं था। अगर यह फिल्म एक प्रॉपर ट्रायोलॉजी यानी तीन भागों में बनती, तो अहिल्या उद्धार, माता अनुसुइया के प्रसंग और विशेष तौर पर राजा दशरथ जी के वियोग, भरत जी की वेदना और केवट प्रसंग को वो गहरा और सार्थक स्पेस मिलता, जो इस महाकाव्य की असली आत्मा है।

इन प्रसंगों का अपना एक दार्शनिक और भावनात्मक महत्व है। राजा दशरथ का पुत्र-मोह और उनके वियोग में प्राण

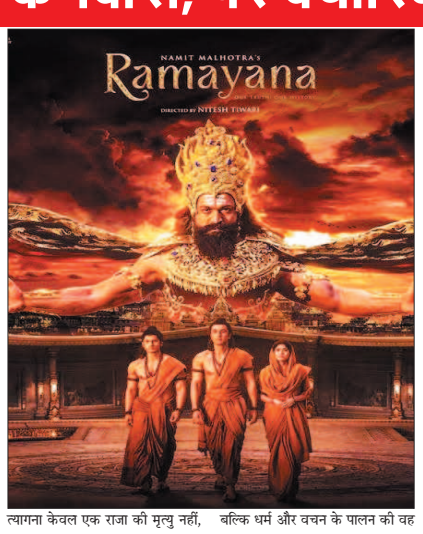

त्यागना केवल एक राजा की मृत्यु नहीं, बल्कि धर्म और वचन के पालन की वह कीमत है जो एक पिता को चुकानी पड़ी। वहीं, भरत जी का चरित्र त्याग, निष्ठा और भाई के प्रति अगाध प्रेम का सर्वोच्च प्रतीक है - जिन्होंने सिंहासन मिलने के बावजूद खड़ाऊँ रखकर चौदह वर्ष तक एक संन्यासी का जीवन बिताया। इसके अलावा, निषादराज केवट और भगवान राम का प्रसंग खासकर चरण धोने की वह अलौकिक घटना इस बात का गवाह है कि ईश्वर भक्त के प्रेम के आगे विवश हैं और यहाँ कोई छोटा-बड़ा नहीं होता। जब ये प्रसंग फिल्म में छूट जाते हैं, तो कहानी सतही लगने लगती है, जबकि यही भाव इस कथा को महाकाव्य बनाते हैं।

तथ्यों से छेड़छाड़ के मामले में सूर्पनखा और उसके पति की हत्या के प्रसंग पर भी गौर करना होगा। वाल्मीकि रामायण के अनुसार, सूर्पनखा के पति विद्युतजिव का वध रावण ने खुद अपने राजनीतिक और पारिवारिक लालच वश यानि कालकेय राजाओं से संबंध और संघर्ष के चलते छल से किया था। इस क्रूर पारिवारिक सत्य को दबाकर सूर्पनखा के भीतर राम-लक्ष्मण के प्रति उपजे प्रतिशोध के मूल कारण को धुंधला कर दिया गया है। साथ ही, फिल्म में सूर्पनखा के रुख और आधुनिक ह्यूमर को जिस तरह गढ़ा गया है, वह आज के दौर के सिनेमाई चश्मे से नया लग सकता है, लेकिन यह उस क्रूर राक्षसी के चरित्र से मेल नहीं खाता जो सीधे सीता पर आक्रमण करने आई थी।

अभिनय की बात करें तो, पूरी रामायण में रवि दुबे ने लक्ष्मण के किरदार में जान फूंक दी है। उन्होंने जिस सहज ह्यूमर, कॉमिक टाइमिंग और ऊर्जा को पर्दे पर उतारा है, वह फिल्म में एक खूबसूरत तड़के की तरह काम करती है। एक भारी-भरकम और गंभीर सिनेमैटिक टोन के बीच उनका यह अंदाज दर्शकों को बेहतरीन ब्रीदिंग स्पेस देता है, जिससे फिल्म बोझिल नहीं होती। इसके अलावा, जटायु के प्रसंग को जिस शानदार स्केल और वीएफएक्स के साथ गढ़ा गया है, वह वाकई अचंभित करने वाला है।

यश ने रावण के किरदार को बहुत इंटेंसिटी के साथ निभाया है। हालांकि पटकथा के पहले भाग में रावण मुख्यतः अपने गुस्से और अग्रेशन में ही नजर आते हैं, जिसमें थोड़ी एकरसता आती है, फिर भी उनकी स्क्रीन प्रेजेंस कमाल की है। तथ्यों को अगर दरकिनार कर दिया जाए तो रकुल प्रीत ने सूर्पनखा की भूमिका को गहराई दी है, और लारा दत्ता ने माता कैकेयी के रूप में सीमित स्पेस में भी अपने जबरदस्त अभिनय से जान डाल दी है।

रणबीर कपूर ने राम के किरदार में बेजोड़ सौम्यता डाली है। क्लाइमेक्स के करीब जब उनके मुँह से वह भावुक संवाद निकलता है -यह कैसा भाग्य है लक्ष्मण ? क्यों चुना गया है मुझे अगर यही मेरा भाग्य है, तो मुझे यह स्वीकार्य नहीं है, मैं आज से अपना भाग्य स्वयं लिखूंगा - तो वह बेहद अद्भुत बन पड़ता है।

इस बार सीता का किरदार बेहद सशक्त रूप में गढ़ा गया है; वह केवल अबला नहीं, बल्कि ताकतवर, बहादुर और स्वतंत्र व्यक्तित्व वाली हैं। हाँ, संवादों के स्तर पर कमी जरूर खटकती है ।इ कई जगहों पर भाषा महाकाव्य के वजन के मुकाबले थोड़ी सपाट और साधारण लगती है। अगर संवादों में थोड़ा और काव्यात्मक ओज होता, तो प्रभाव दोगुना हो जाता।

अगर यह कोई सामान्य कहानी होती, तो मैं इसे 7 अंक देता; लेकिन चूँकि यह रामायण है और इतने बड़े बजट के बाद भी इतिहास-पुराण के तथ्यों से छेड़छाड़ और ऐसी त्रुटियां रह गई हैं, इसलिए मैं इसे 5 से ज्यादा नहीं दे सकता। एक दर्शक के रूप में मैं इसे रामानंद सागर की रामायण का चश्मा उतारे बिना एक बेहतरीन आधुनिक फिल्म के तौर पर जरूर याद रखूँगा।

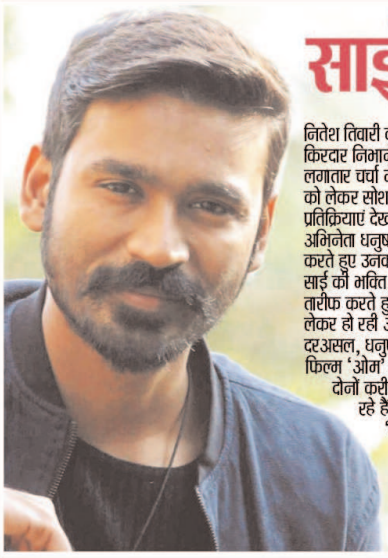

साई पल्लवी के सपोर्ट में उतरे धनुष

नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में सीता का किरदार निभाने को लेकर साई पल्लवी लगातार चर्चा में हैं। फिल्म में उनकी कास्टिंग को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। अब अभिनेता धनुष ने साई पल्लवी का समर्थन करते हुए उनकी जमकर तारीफ की है। उन्होंने साई की भक्ति, व्यक्तित्व और एक्टिंग की तारीफ करते हुए उनके सीता के किरदार को लेकर हो रही आलोचना पर सवाल उठाए हैं। दरअसल, धनुष और साई पल्लवी जल्द ही फिल्म 'ओम' में एक साथ नजर आने वाले हैं। दोनों करीब नौ साल बाद साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने फिल्म 'मारी 2' में साथ काम किया था। फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान धनुष ने साई पल्लवी के साथ काम करने का अनुभव साझा किया और उनकी तारीफ की।

इवेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें धनुष साई पल्लवी के सीता बनने को लेकर हो रही चर्चाओं पर बात करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि साई के किरदार को लेकर इतना शोर क्यों मचाया जा रहा है। धनुष ने बताया कि शूटिंग के दौरान भी साई ब्रेक के समय लगातार भगवान की प्रार्थना किया करती थीं। धनुष ने कहा, 'उनके सीता के किरदार को लेकर इतनी बातें और चर्चाएं हो रही हैं। मुझे समझ नहीं आता कि ऐसा क्यों है। शूटिंग के दौरान शॉट्स के बीच मिलने वाले ब्रेक में भी वह लगातार प्रार्थना करती रहती थीं। अगर आप पूरे भारत में भी तलाश करेंगे, तो आपको उनके जैसी दूसरी सीता नहीं मिलेगी। वह भगवान के प्रति गहरी आस्था रखने वाली और बेहद साफ दिल की इंसान हैं। वह बेहद खूबसूरत हैं और एक शानदार कलाकार भी हैं।'

नौ साल में साई पल्लवी में आया बड़ा बदलाव

धनुष ने साई पल्लवी के साथ अपनी पहली फिल्म 'मारी 2' को भी याद किया। उन्होंने बताया कि उस समय साई काफी शांत स्वभाव की थीं और बहुत कम बोलती थीं। वह कुछ भी कहने से पहले काफी सोचती थीं। हालांकि, नौ साल बाद फिल्म 'ओम' के सेट पर उनसे दोबारा मिलकर धनुष उनके बदले हुए अंदाज को देखकर हैरान रह गए। उन्होंने कहा, 'जब मैं पहली बार 'मारी 2' के दौरान साई पल्लवी से मिला था, तब वह बहुत मासूम थीं और काफी कम बोलती थीं। कुछ भी कहने से पहले सोचती थीं और बात करने में भी हिचकिचाती थीं। लेकिन नौ साल बाद इस फिल्म के सेट पर उनसे मिला, तो वह पूरी तरह बदली हुई नजर आईं। वह सिनेमा की कला में पूरी तरह माहिर हो चुकी थीं। उनके बोलने के अंदाज, चलने के तरीके और एक्सप्रेशंस में एक अलग ही आत्मविश्वास और ठहराव दिखाई दे रहा था। यह देखकर मैं हैरान रह गया।'

मुश्किल किरदार को साई ने हिम्मत के साथ निभाया

धनुष ने अपनी आने वाली फिल्म 'ओम' में साई पल्लवी के काम की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि फिल्म में उनका किरदार निभाना आसान नहीं था, लेकिन साई ने इसे पूरी हिम्मत के साथ स्वीकार किया और शानदार अभिनय किया। धनुष के मुताबिक, 'इस किरदार को निभाना बिल्कुल आसान नहीं है। साई पल्लवी ने इसे बहुत हिम्मत और साहस के साथ स्वीकार किया और शानदार परफॉर्मेंस दी।'

'ओम' में साई पल्लवी ने निभाया ये किरदार

बता दें कि फिल्म 'ओम' में धनुष और साई पल्लवी एक बार फिर साथ नजर आएंगे। फिल्म में ममूटी भी अहम भूमिका में हैं। साई पल्लवी फिल्म में नित्या रेड्डी नाम की सीबीआई अधिकारी का किरदार निभा रही हैं, जो लाल चंदन की अवैध तस्करी के मामले की जांच करती हैं। वहीं, नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर भगवान राम, यश रावण, रवि दुबे लक्ष्मण और सनी देओल भगवान हनुमान की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का पहला पार्ट 5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुआ था, जबकि इसका दूसरा पार्ट 2028 में रिलीज होने वाला है।





आवारा पागल दीवाना 2 पर बोले सुनील शेट्टी

साल 2002 में रिलीज हुई फिल्म 'आवारा पागल दीवाना' का सीक्वल बनने जा रहा है। अभिनेता सुनील शेट्टी ने फैंस को यह खुशखबरी दी है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है।

सुनील शेट्टी ने हाल ही में बातचीत में फिल्म 'आवारा पागल दीवाना 2' के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'फिल्म का सीक्वल बनने जा रहा है, इस पर काम जारी है।' इस पर उनसे सवाल हुआ कि क्या इसकी शूटिंग अगले साल शुरू हो सकती है? इसके जवाब में शेट्टी ने कहा कि हां ऐसा हो सकता है।

सफलता से खुश हैं अभिनेता

इस बातचीत में आगे सुनील शेट्टी ने 2026 के प्रोजेक्ट्स पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'मैंने वॉर्डर 2 में भी काम किया है। मैं उसमें सिर्फ एक सीन में था, लेकिन मैं इसे एक सफलता मानता हूं क्योंकि आखिरकार यह हमारी फ्रैंचाइज बन गई है। जिस तरह से चीजें आगे बढ़ रही हैं, उससे मैं बहुत खुश हूं। साथ ही, भारत के सुपर फाउंडर्स के पहले सीजन की सफलता से भी मुझे बहुत खुशी है।'

साल 2002 में रिलीज हुई आवारा पागल दीवाना का निर्माण फिरोज नाडियाडवाला ने किया था और फिल्म को सारे किरदार काफी मजेदार थे। सुनील शेट्टी के अलावा, इस एक्शन – कॉमेडी में अक्षय कुमार, आफताब शिवदासानी, परेश रावल, अमृता अरोरा, आरती छाबड़िया, प्रीति झंगियानी, सुप्रिया पिलगांवकर, ओम पुरी, जॉनी लीवर और राहुल देव ने अभिनय किया था। इतने सारे लोकप्रिय कलाकारों के एक साथ आने से फिल्म में भरपूर कॉमेडी और एक्शन देखने को मिला था।



जॉन डो से ड्रीम डेब्यू कर भावुक हुईं सृष्टि सिंह



अभिनेत्री सृष्टि सिंह ने 13 नवंबर को रिलीज हुई फिल्म 'जॉन डो' के साथ अपना 'ड्रीम डेब्यू' किया है। तमिल फिल्म उद्योग में अपने पहले कदम को लेकर उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट उनके दिल में हमेशा एक खास जगह बनाए रखेगा। अपनी पहली फिल्म के दर्शकों तक पहुंचने पर खुशी जाहिर करते हुए सृष्टि ने इस अनुभव को बेहद अविश्वसनीय बताया। उन्होंने कहा, 'किसी ऐसी यात्रा को बड़े पर्दे पर जीवंत होते देखना, जिसकी शुरुआत कई अनिश्चितताओं के साथ हुई थी, अपने आप में बेहद खास एहसास है। मुझे दर्शकों से मिल रहे प्यार, प्रोत्साहन और सराहना से बेहद खुशी हो रही है। लोगों को फिल्म से जुड़ते और इसे इतना स्नेह देते देख जो एहसास हो रहा है, उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है।' सृष्टि ने उन सभी लोगों का आभार भी व्यक्त किया जिन्होंने उनके सपने को साकार करने का अवसर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं निर्देशक मधुमिता, निर्माताओं और अपने सह-कलाकारों की बेहद आभारी हूं, जिन्होंने इस सफर को खास बनाया। मैं विशेष रूप से अर्का मीडिया वर्क्स और खासकर प्रसाद गरु, शोबू गरु, किशोर और सौम्या का धन्यवाद करना चाहती हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया और मुझे यह अवसर दिया। उनके विश्वास ने ही यह सब संभव बनाया और मैं इसके लिए हमेशा आभारी रहूंगी।' उन्होंने कहा, 'मैं अपनी अभिनय प्रशिक्षक कलई रानी का भी धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने एक कलाकार के रूप में मेरा मार्गदर्शन किया। साथ ही मेरी तमिल भाषा प्रशिक्षक माधुरी मैम का भी आभार, जिन्होंने मुझे एक नई भाषा को समझने और इस अनुभव को आत्मविश्वास के साथ अपनाने में मदद की। इस यात्रा को सफल बनाने में हर व्यक्ति का योगदान रहा है। मैं इससे बेहतर शुरुआत की कल्पना नहीं कर सकती थी और 'जॉन डो' हमेशा मेरे दिल के बेहद करीब रहेगी।' अर्का मीडिया वर्क्स के बैनर तले निर्मित इस ड्रामा फिल्म में अर्जुन दास, संचना नटराजन और सृष्टि सिंह मुख्य भूमिकाओं में हैं। इनके अलावा जारा विनीत, नीरव एस, बडावा गोपी, कार्तिक कुमार, अनुपमा कुमार और अर्चना चंदोके भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं।



प्यार का प्रेशर कुकर शो होस्ट करेंगी शिल्पा शेट्टी

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी रिलेशनशिप रियलिटी शो 'प्यार का प्रेशर कुकर' को होस्ट करने जा रही हैं। शो के मेकर्स के अनुसार, यह शो ऐसे कपल्स को एक साथ लाएगा जो अपने रिश्तों में किसी मोड़ पर आकर फंस गए हैं। एक ही घर में रहने के दौरान, प्रतिभागियों को उन सवालों के जवाब देने होंगे जिनसे वे अब तक बचते आ रहे हैं। इस प्रक्रिया में उनके माता-पिता भी शामिल होंगे, जो उन्हें एक जरूरी 'रियलिटी चेक' देंगे, ताकि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सके और सच सामने आ सके।

शो के बारे में बात करते हुए शिल्पा ने कहा, 'आजकल रिश्तों में कई नए शब्द जुड़ गए हैं, जैसे 'सिचुएशनशिप', 'ब्रेडक्रंबिंग' और 'बैंचिंग'। इस सब के बीच असल स्पष्टता कहीं खो गई है। चाहे रिश्ता नया हो या वर्षों से चला आ रहा कोई पुराना रिश्ता, एक ऐसा मोड़ जरूर आता है, जब किसी को सही और जरूरी सवाल पूछने ही पड़ते हैं। 'प्यार का प्रेशर कुकर' की जो बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है, वह है रियलिटी फॉर्मेट पर इसका एक नया नजरिया।'

अपनी बात कहने के लिए प्रेरित करता है शो

शिल्पा ने आगे कहा 'यह भारत का पहला ऐसा रिलेशनशिप शो है, जहां माता-पिता प्रतिभागियों को 'रियलिटी चेक' देते हैं। यह शो कपल्स के साथ-साथ उनके माता-पिता के लिए भी काफी दिलचस्प है, जो यह जानने के लिए उत्सुक रहते हैं कि असल में क्या चल रहा है। यह एक ऐसा शो है जो लोगों को वह बात कहने के लिए प्रेरित करता है जो वे वास्तव में कहना चाहते हैं। मैं इसे होस्ट करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।' यह शो जल्द ही जियो हॉटस्टार और कलर्स पर आएगा।

सलमान-अजय के साथ किया डेब्यू, 'आशिकी 2' ने आदित्य रॉय कपूर को दिलाई असली पहचान

अपनी शानदार पर्सनैलिटी, दमदार आवाज और सहज अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले आदित्य रॉय कपूर आज लाखों लड़कियों के दिलों पर राज करते हैं। हालांकि, बहुत कम लोग जानते हैं कि आदित्य कभी अभिनेता बनना ही नहीं चाहते थे। उनका सपना तो एक प्रोफेशनल क्रिकेटर बनने का था लेकिन किस्मत उन्हें क्रिकेट के मैदान से उठाकर फिल्मों की दुनिया में ले आई। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत सलमान खान और अजय देवगन जैसे सुपरस्टार्स के साथ फिल्म 'लंदन ड्रीम्स' से की थी लेकिन उन्हें असली पहचान 'आशिकी 2' से मिली। आदित्य रॉय कपूर का जन्म 16 नवंबर 1985 को मुंबई में हुआ था। उनका परिवार पहले से ही फिल्मी दुनिया से जुड़ा हुआ था। उनके दादा रघुपत रॉय कपूर 1940 के दशक में फिल्म निर्माता थे। वहीं, उनके बड़े भाई सिद्धार्थ रॉय कपूर बॉलीवुड के जाने-माने फिल्म निर्माता हैं। उनकी शादी अभिनेत्री विद्या बालन से हुई है। आदित्य के दूसरे बड़े भाई कुणाल रॉय कपूर भी अभिनेता हैं। आदित्य की मां सलोमी रॉय कपूर (सलोमी आरोन) पूर्व मिस इंडिया और कोरियोग्राफर रह चुकी हैं। ऐसे में उनके परिवार का मनोरंजन जगत से पुराना नाता रहा है। इसके बावजूद आदित्य ने कभी बचपन से अभिनेता बनने का सपना नहीं देखा था। आदित्य को बचपन से ही क्रिकेट खेलने का बहुत शौक था। वह एक प्रोफेशनल क्रिकेटर बनना चाहते थे और इसके लिए उन्होंने क्रिकेट की कोचिंग भी ली थी। हालांकि, छठी कक्षा के बाद उन्होंने कोचिंग छोड़ दी।

फिल्मों में आने से पहले आदित्य ने बतौर वीडियो जॉकी अपने करियर की शुरुआत की थी। उनके मजाकिया अंदाज, बेबाक बातचीत और शानदार स्क्रीन प्रेजेंस को दर्शकों ने खूब पसंद किया। 'पकाऊ' और 'इंडियाज हॉटेस्ट' जैसे शो के जरिए वह युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हो गए थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात फिल्मी दुनिया के लोगों से होने लगी और धीरे-धीरे उनके लिए फिल्मों के दरवाजे खुलने लगे। आदित्य ने साल 2009 में फिल्म 'लंदन ड्रीम्स' से बॉलीवुड में कदम रखा था। इस फिल्म में सलमान खान और अजय देवगन जैसे बड़े सितारे मुख्य भूमिकाओं में थे। हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि आदित्य ने यह फिल्म बड़ा अभिनेता बनने के सपने के साथ साइन नहीं की थी।

एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि फिल्म की शूटिंग लंदन में होनी थी और उन्हें वहां घूमने का मौका मिल रहा था। यही बात उन्हें इतनी पसंद आई कि उन्होंने फिल्म के लिए हामी भर दी। उस समय उनके लिए अभिनय से ज्यादा आकर्षण लंदन घूमने और गिटार बजाने का था। इसके बाद वह 'एक्शन रिप्ले' और 'गुजारिश' जैसी फिल्मों में भी नजर आए। हालांकि, इन फिल्मों से उन्हें वह पहचान नहीं मिली, जिसकी एक अभिनेता को तलाश होती है।

आदित्य रॉय कपूर की जिंदगी में सबसे बड़ा बदलाव साल 2013 में आया, जब मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म 'आशिकी 2' रिलीज हुई। इस फिल्म में उन्होंने श्रद्धा कपूर के साथ मुख्य भूमिका निभाई। आदित्य ने फिल्म में राहुल जयकर नाम के एक ऐसे गायक का किरदार निभाया, जिसकी जिंदगी प्यार, दर्द और संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म की कहानी और गानों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। वहीं, आदित्य और श्रद्धा की केमिस्ट्री भी खूब पसंद की गई।



धमधा थाना में लर्निंग लाइसेंस शिविर : चार दिनों में 565 वाहन चालकों के बने लर्निंग लाइसेंस



हजारों लोगों की परिवहन संबंधी समस्याओं का हुआ निराकरण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-धमधा

ग्रामीण अंचलों के वाहन चालकों को परिवहन संबंधी सुविधाएं सहजता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दुर्ग पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा धमधा थाना परिसर में आयोजित पांच दिवसीय लर्निंग लाइसेंस एवं वाहन संबंधी समाधान शिविर में लोगों का उत्साहजनक प्रतिसाद मिल रहा है। शिविर के चार दिनों में कुल 565 वाहन चालकों के लर्निंग लाइसेंस बनाए गए। वहीं हजारों नागरिकों ने अपने वाहनों एवं परिवहन संबंधी विभिन्न समस्याओं का निराकरण कराया।

पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के निदेर्शानुसार यातायात पुलिस दुर्ग तथा परिवहन विभाग दुर्ग के संयुक्त सहयोग से यह शिविर 14 नवंबर से 18 नवंबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के उन वाहन चालकों को सुविधा उपलब्ध कराना है, जो दूरी एवं अन्य कारणों से लर्निंग लाइसेंस बनवाने के लिए दुर्ग स्थित परिवहन कार्यालय नहीं पहुंच पाते हैं।

शिविर में लर्निंग लाइसेंस बनाने के साथ ही वाहनों के पीयूसी, बीमा, फिटनेस, ई-चालान, लाइसेंस नवीनीकरण, डुप्लीकेट लाइसेंस, स्थायी लाइसेंस सहित परिवहन से जुड़ी विभिन्न समस्याओं का मौके पर निराकरण किया जा रहा है। इसके अलावा पूर्व से लंबित ई-चालान का निःशुल्क भुगतान करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिसका वाहन चालक लाभ उठा रहे हैं। शिविर के दौरान आम नागरिकों के साथ-साथ स्कूल एवं कॉलेजों में भी यातायात नियमों के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया। लोगों को सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों के पालन तथा आवश्यक दस्तावेज साथ रखने की जानकारी दी गई।

यातायात पुलिस दुर्ग एवं परिवहन विभाग ने ग्रामीण क्षेत्र के अधिक से अधिक वाहन चालकों से अपील की है कि वे 18 नवंबर को शिविर के अंतिम दिन धमधा थाना पहुंचकर इस सुविधा का लाभ उठाएं तथा अपने लाइसेंस एवं वाहन संबंधी आवश्यक कार्य पूर्ण कराएं। पुलिस विभाग के अनुसार आगामी दिनों में इसी तरह के शिविर जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को परिवहन संबंधी सुविधाएं उनके नजदीक ही उपलब्ध कराई जा सकें।



खास खबर

पंचकूला घटना के बाद सोचें, कहीं हम लोग बच्चों की संवेदनाएं तो नहीं मार रहे-चिरंजीव जैन



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

विशेष सत्र में शिक्षाविद् व सर्टिफाइड पैरेंटिंग कोच जैन ने अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को किया संबोधित

हाल ही में पंचकूला के एक स्कूल में आठ वर्षीय बालक द्वारा छह वर्षीय बच्ची पर किए गए हिंसक हमले की घटना ने देशभर के माता-पिता और शिक्षा जगत को झकझोर कर रख दिया है। इसी संवेदनशील विषय को केंद्र में रखते हुए भिलाई शहर के एक प्रतिष्ठित निजी स्कूल में विशेष परवरिश व मार्गदर्शन सत्र का आयोजन किया गया। सत्र में जाने-माने शिक्षाविद् एवं प्रमाणित पैरेंटिंग कोच चिरंजीव कुमार जैन ने बड़ी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों और पालकगणों को संबोधित किया। सत्र की शुरूआत करते हुए श्री जैन ने परवरिश को बीते कल, आज और आने वाले कल के तीन आयामों में समझने पर जोर दिया।

बीते कल की विरासतः कम सुविधाएं, पर भरपूर समय और संस्कार

अतीत के पारिवारिक ढाँचे का उल्लेख करते हुए चिरंजीव जैन ने कहा कि पहले के समय में माता-पिता के पास आर्थिक संसाधन और भौतिक सुविधाएँ भले ही सीमित थी, लेकिन बच्चों के लिए पर्याप्त समय था। बच्चे माता-पिता के साथ-साथ दादा-दादी और घर के बुजुर्गों की छत्रछाया में बड़े होते थे। परिवार में नियमित संवाद होता था, बच्चों की बातें धैर्यपूर्वक सुनी जाती थीं और उन्हें प्यार से समझाया जाता था। उन्होंने कहा कि उस दौर में संस्कार कोई अलग पाठ्यक्रम बनाकर नहीं सिखाए जाते थे, बल्कि बच्चे घर में बड़ों के आचरण को देखकर ही सहजता से जीवन मूल्य सीख जाते थे। पूर्वजों से मिली इसी समझदारी को याद दिलाते हुए उन्होंने पालकों से कहा कि एक बच्चे को महंगे उपहारों से कहीं अधिक माता-पिता की सक्रिय उपस्थिति की आवश्यकता होती है, क्योंकि बच्चा हमारी सलाह से अधिक हमारे आचरण का अनुसरण करता है।

आधुनिक दौर की विडंबनाः सुविधाए बढ़ीं, पर घट गया आत्मीय संवाद

वर्तमान समय की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए श्री जैन ने स्वीकार किया कि आज के माता-पिता अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अथक परिश्रम कर रहे हैं। वे अपनी सामर्थ्य के अनुसार बच्चों को सर्वश्रेष्ठ स्कूल, आधुनिक गैजेट्स और हर संभव सुख-सुविधा उपलब्ध कराना चाहते हैं। परंतु, इस भागदौड़ में बच्चों के साथ बिताया जाने वाला गुणवत्तापूर्ण समय लगातार सिमटता जा रहा है।

पालकगणों को आगाह करते हुए उन्होंने कहा कि आज बच्चों के हाथों में स्मार्टफोन, इंटरनेट और मनोरंजन के अनगिनत साधन हैं, लेकिन विडंबना यह है कि उनके पास ऐसा कोई अपना नहीं बचा है, जिसके सामने वे बिना किसी डर या झिझक के अपने मन की बात साझा कर सकें। हम बच्चों के परीक्षा परिणामों और करियर को लेकर तो अत्यधिक चिंतित रहते हैं, लेकिन उनके भीतर पनपते गुस्से, अकेलेपन, ईर्ष्या, असुरक्षा और मानसिक तनाव को अनदेखा कर देते हैं। उन्होंने दो टूक कहा कि किसी बच्चे के अच्छे अंक ही अच्छी परवरिश का संपूर्ण प्रमाण नहीं हैं, उसे एक संवेदनशील और अच्छा इंसान बनाना भी उतना ही अनिवार्य है।

डिजिटल क्रांति के दुष्प्रभावों पर चर्चा करते हुए शिक्षाविद ने कहा कि बहुत कम उम्र में बच्चों तक पहुँच रहे मोबाइल फोन ने परवरिश को बेहद जटिल बना दिया है। इंटरनेट पर मौजूद अधिकांश सामग्री बच्चों की उम्र और उनकी मानसिक परिपक्वता के अनुकूल नहीं होती।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आवश्यक नहीं कि हिंसक वीडियो या गेम देखने वाला हर बच्चा हिंसक बन जाए, किंतु जब कोई बालक बार-बार हिंसा देखता है और उसे मनोरंजन के रूप में स्वीकार करने लगता है, तो उसकी स्वाभाविक संवेदनशीलता धीरे-धीरे समाप्त होने लगती है। उन्होंने माता-पिता को सलाह दी कि वे केवल बच्चों के स्क्रीन टाइम पर निगरानी न रखें, बल्कि इस बात पर भी पैनी नजर रखें कि बच्चा क्या देख रहा है, किससे संवाद कर रहा है और इसका उसके व्यवहार पर क्या असर पड़ रहा है।

दोषारोपण नहीं, बल्कि आत्मचिंतन का समय

अपने उद्बोधन के समापन पर चिरंजीव कुमार जैन ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियाँ किसी एक व्यक्ति या संस्था को दोषी ठहराने की नहीं, बल्कि पूरे समाज के ईमानदार आत्मचिंतन की हैं। उन्होंने कहा कि आठ साल का वह बालक भी अभी विकास की अवस्था में है, जिसके व्यवहार को संवेदनशीलता, निष्पक्षता और मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञों की मदद से समझने की जरूरत है। साथ ही, पीड़ित छह वर्षीय बच्ची के दर्द और पीड़ा को भी महज एक पुरानी खबर बनाकर भुलाया नहीं जाना चाहिए।

अंत में उन्होंने सभी अभिभावकों और शिक्षकों के सामने एक मार्मिक प्रश्न छोड़ा कि हम अपने बच्चों को प्रतियोगी दुनिया और भविष्य के करियर के लिए तो पूरी ताकत से तैयार कर रहे हैं, लेकिन क्या हम उन्हें एक संवेदनशील और बेहतर इंसान बनने के लिए भी तैयार कर रहे हैं?

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1993 से छत्तीसगढ़ में शिक्षा और मार्गदर्शन के क्षेत्र में सक्रिय चिरंजीव कुमार जैन अब तक 10,000 से अधिक विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर चुके हैं और टेलीविजन कार्यक्रम "मैं तेरे दिल का टुकड़ा" में भी पेरेंटिंग कोच के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। सत्र के अंत में विद्यालय परिवार द्वारा उनका आभार व्यक्त किया गया।

सांसद विजय बघेल ने किया हमर छत्तीसगढ़-हमर धरोहर प्रदर्शनी का शुभारंभ



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी हमर छत्तीसगढ़-हमर धरोहर का शुभारंभ दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल ने फीता काटकर किया।

इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, लोककला, जनजातीय विरासत, खान-पान एवं ऐतिहासिक धरोहरों को प्रदर्शित करने के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और विशिष्ट जीवनशैली में समाहित है। हमारी युवा पीढ़ी को अपनी माटी, संस्कृति और विरासत से जोड़ने के लिए ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक कला, लोकजीवन, खान-पान, वेशभूषा, हस्तशिल्प एवं विभिन्न सांस्कृतिक विशेषताओं को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में विभिन्न स्टॉल लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से प्रदेश की विविध सांस्कृतिक विरासत को जानने और समझने का अवसर मिल रहा है।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यह प्रदर्शनी 19 एवं 20 नवंबर 2026 को बीआईटी, दुर्ग में दोपहर 12:30 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जा रही है।

सांसद विजय बघेल ने विश्वविद्यालय परिवार को इस सराहनीय आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की गौरवशाली विरासत को संरक्षित करना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

नवजात बेटियों की माताओं को भेंट किए पौधे, बेटी के सम्मान और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

स्व. पांडुरंग रामाराव जिला चिकित्सालय के अंतर्गत संचालित मातृत्व एवं शिशु विभाग में एक पौधा बेटी के नाम अभियान के तहत विशेष आयोजन किया गया। विभाग के तृतीय तल पर आयोजित इस कार्यक्रम में 15 नवजात बच्चियों की माताओं को पौधे भेंट कर बेटियों के सम्मान और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना, उनके सम्मान एवं महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा रूढ़िवादी मानसिकता को समाप्त करने का संदेश देना है। इसके साथ ही पौधों के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक और प्रेरित करना भी अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।

ज्ञातव्य है कि ह्यएक पौधा बेटी के नाम अभियान विगत कई महीनों से जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य एवं श्री सत्य साईं सेवा समिति के जिला चिकित्सा सेवा प्रभारी दिलीप ठाकुर द्वारा निरंतर संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से नवजात बेटियों के जन्म को उत्सव के रूप में मनाने और उनके उज्ज्वल भविष्य के साथ प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में बेटियां शिक्षा, खेल, कला, विज्ञान, समाजसेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। ऐसे में समाज को बेटियों के प्रति समानता, सम्मान और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। आयोजन में दिलीप ठाकुर, सीताराम ठाकुर, संजय खानखोजे, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, के.आर. मुदलियार सहित वार्ड की सिस्टर माधुरी, सिस्टर सुमन, सिस्टर दीपिका एवं गार्ड सतीश की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी का सक्रिय योगदान रहा।

महावीर स्वामी गोलबाजार वार्ड में विकास के मुद्दों के साथ यतेन्द्र जीत सिंह छोटू ने पेश की पार्षद पद की दावेदारी

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

नगरीय निकाय चुनाव को लेकर शहर में राजनीतिक सरगर्मियां तेज होने लगी हैं। इसी बीच सबसे हाईप्रोफाइल वार्ड महावीर स्वामी वार्ड (गोलबाजार), वार्ड क्रमांक 07 से यतेन्द्र जीत सिंह छोटू ने पार्षद पद के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। उनकी दावेदारी के साथ ही वार्ड में विकास और मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दे चर्चा में आने लगे हैं।

शहर अध्यक्ष अरूण भारद्वाज के समक्ष यतेन्द्र जीत सिंह "छोटू" ने पेश की दावेदारी



यतेन्द्र जीत सिंह छोटू का कहना है कि महावीर स्वामी वार्ड का समुचित विकास उनकी प्राथमिकता रहेगी। वार्ड में सड़क, नाली, पेयजल, साफ-सफाई और स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। साथ ही वार्डवासियों की समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण कराने और प्रत्येक मोहल्ले तक विकास कार्यों को पहुंचाने पर जोर रहेगा।

उन्होंने कहा कि वार्ड का विकास केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना भी जरूरी है। जनता के साथ सीधा संवाद स्थापित कर उनकी जरूरतों और सुझावों के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता देने का प्रयास रहेगा।

नगरीय निकाय चुनाव की हलचल के बीच वार्ड क्रमांक 07 में भी पार्षद पद को लेकर दावेदारों की सक्रियता दिखाई देने लगी

अब पार्टी स्तर पर प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया और स्थानीय राजनीतिक समीकरणों के बीच यतेन्द्र जीत सिंह छोटू की दावेदारी पर लोगों की नजरें रहेंगी।

यतेन्द्र जीत सिंह "छोटू" 32 वर्षों से कांग्रेस पार्टी की सक्रिय राजनीति में हैं और वे कांग्रेस पार्टी के विभिन्न पदों पर रहकर कांग्रेस के हर कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाते हैं, वे दिवंगत महारानी रश्मि देवी सिंह के समय से कांग्रेस पार्टी की राजनीति करते आ रहे हैं। वे दिवंगत राजा देवव्रत सिंह के कट्टर समर्थकों में गिने जाते हैं और वर्तमान में कांग्रेस विधायक यशोदा नीलांबर वर्मा के विधायक प्रतिनिधि, महामंत्री शहर कांग्रेस कमेटी, जिला पत्रकार संघ एवं शतरंज संघ के जिला उपाध्यक्ष के पद पर काबिज हैं।

अतरिया में अवैध धान भंडारण पर कार्रवाई, व्यापारिक प्रतिष्ठान से 17 क्विंटल धान जब्त



खैरागढ़। धान खरीदी के दौरान अवैध भंडारण पर अंकुश लगाने के लिए खाद्य एवं कृषि उपज मंडी विभाग की संयुक्त टीम ने अतरिया स्थित मेसर्स आगर चंद पारख बाजार के व्यापारिक प्रतिष्ठान का औचक निरीक्षण किया। खाद्य विभाग के अनुसार, जांच में प्रतिष्ठान में 17 क्विंटल धान का अवैध भंडारण पाए जाने पर धान जब्त करने की कार्रवाई की गई।

विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, उक्त कार्रवाई छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम, 1972 की धारा 19(4) के तहत की गई। संयुक्त जांच दल में सहायक खाद्य अधिकारी संजय ठाकुर, खाद्य निरीक्षक विनोद सागर एवं मनीष ध्रुव तथा मंडी उपनिरीक्षक हरीश सिंह शामिल रहे। धान खरीदी के दौरान भंडारण एवं कारोबार में नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए विभागीय निगरानी की जा रही है। व्यापारिक प्रतिष्ठानों की जांच का उद्देश्य अवैध भंडारण की पहचान कर कार्रवाई करना तथा कृषि उपज की खरीद-बिक्री में पारदर्शिता बनाए रखना है।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि अवैध भंडारण एवं कालाबाजारी की रोकथाम के लिए संयुक्त जांच का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। खाद्य एवं मंडी विभाग आपसी समन्वय से निगरानी करेंगे और अनियमितता पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

संघ ने जताया आभार कलेक्टोरेट में वाहन चालक कक्ष, परामर्शदात्री बैठक में प्रतिनिधित्व सहित आवास आवंटन में 25 प्रतिशत आरक्षण की मांग उठाई

वाहन चालकों की चार प्रमुख मांगों पर कलेक्टर ने दिया सकारात्मक आश्वासन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ प्रदेश शासकीय/अर्धशासकीय वाहन चालक एवं यांत्रिकी कर्मचारी संघ (पंजीयन क्रमांक 16105/08) जिला शाखा दुर्ग के प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर वाहन चालकों की वर्षों पुरानी समस्याओं एवं लंबित मांगों के निराकरण की मांग की। कलेक्टर ने संघ की चारों प्रमुख मांगों को गंभीरतापूर्वक सुना और उनके निराकरण को लेकर सकारात्मक आश्वासन दिया।

संघ के अध्यक्ष टुनेश दास मानिकपुरी ने कलेक्टर के सकारात्मक रुख पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके प्रति हृदय से आभार जताया। उन्होंने कहा कि वाहन चालक लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर प्रयासरत हैं। कलेक्टर के आश्वासन से उन्हें उम्मीद है कि अब इन समस्याओं का समाधान होगा और वाहन चालकों को उनका उचित अधिकार एवं सम्मान मिल सकेगा।

संघ द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में प्रमुख रूप से चार मांगें रखी गईं। इनमें कलेक्टोरेट परिसर में वाहन चालकों के लिए पृथक कक्ष आवंटित करने, परामर्शदात्री बैठक में वाहन चालक संघ को अनिवार्य रूप से शामिल करने, उत्कृष्ट कार्य करने वाले योग्य एवं कर्तव्यनिष्ठ वाहन चालकों को प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए चयनित सूची में शामिल करने तथा शासकीय आवास आवंटन में वाहन चालकों के लिए 25 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने की मांग शामिल है।



प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि वाहन चालक शासकीय कार्यों के सुचारु संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समय पर उनके गंतव्य तक पहुंचाने से लेकर विभिन्न प्रशासनिक दायित्वों के निर्वहन में उनकी अहम जिम्मेदारी होती है। इसके बावजूद उनकी कई समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं। ऐसे में इन मांगों पर सकारात्मक पहल होने से वाहन चालकों को बड़ी राहत मिलेगी।

इस अवसर पर संघ के प्रांतीय प्रचार सचिव छबिलाल सिन्हा, जिला अध्यक्ष टुनेश दास मानिकपुरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बाबूलाल ध्रुव, महामंत्री पूनमचंद साहू, सचिव योगेश कुमार, प्रचार सचिव दिनेश कुमार साहू, संयुक्त सचिव मनसुख साहू, सह सचिव हरिशंकर झा, सह प्रचार सचिव राकेश सिंह राजपूत सहित भानूप्रताप मेश्राम, अरुण मालेकर एवं खिलेंद्र राजपूत तथा अन्य वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे।

कलेक्टर द्वारा मांगों पर दिए गए सकारात्मक आश्वासन से जिले के शासकीय एवं अर्धशासकीय वाहन चालकों में खुशी और उत्साह का माहौल है। संघ ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही इन मांगों पर ठोस कार्रवाई होगी।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बुचाटोला को मिली 108 संजीवनी एक्सप्रेस एंबुलेंस की सौगात

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की घोषणा पर तत्काल अमल, महापौर मधुसूदन यादव ने हरी झंडी दिखाकर एंबुलेंस को किया रवाना

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की घोषणा के अनुरूप छुरिया विकासखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बुचाटोला को 108 संजीवनी एक्सप्रेस एंबुलेंस की सौगात मिली है। महापौर मधुसूदन यादव ने आज मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय परिसर से 108 संजीवनी एक्सप्रेस एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बुचाटोला के लिए रवाना किया। एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध होने से बुचाटोला सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने राजनांदगांव प्रवास के दौरान आयोजित जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों की मांग पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बुचाटोला के लिए तत्काल एंबुलेंस उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। स्वास्थ्य मंत्री की घोषणा पर त्वरित अमल करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को 108 संजीवनी एक्सप्रेस एंबुलेंस उपलब्ध कराई गई है। इससे क्षेत्र में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को मजबूती मिलेगी तथा गंभीर मरीजों, गर्भवती महिलाओं एवं दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को समय पर स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने में सुविधा होगी।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती



किरण वैष्णव, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित के अध्यक्ष सचिन बघेल, जिला पंचायत सभापति श्रीमती भीरम बाई मंडावी, नगर निगम सभापति पारस वर्मा, विधायक प्रतिनिधि संतोष अग्रवाल, खूबचंद पारख, कोमल सिंह राजपूत, सैंकी बग्गा, सुमित भाटिया, डॉ. अरविंद सिन्हा, राजेश श्यामकर, तरुण लहरवानी, आकाश चोपड़ा, मनोज निरवानी, आयुक्त नगर निगम जीआर मरकाम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरत्न, सिविल सर्जन डॉ. महेन्द्र प्रसाद, 108 संजीवनी एक्सप्रेस के डिविजनल कोऑर्डिनेटर आसिफ खान, जिला समन्वयक पवन साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

खास खबर

सुगम एवं व्यवस्थित व्यवस्था के बीच जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी जारी



नई दृष्टिबिंदु / मोहला

टोकन तुंहर हाथ एप से किसानों को मिल रही सहूलियत, समय पर उपलब्ध हो रहे बारदाने

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में कृषक उन्नति योजना के तहत प्रदेश सहित मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य सुचारू रूप से जारी है। जिले के विभिन्न धान उपार्जन केंद्रों में किसान अपनी उपज लेकर पहुंच रहे हैं। किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए शासन द्वारा उपार्जन केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, जिससे धान विक्रय की प्रक्रिया सरल, सुगम एवं व्यवस्थित बनी हुई है।

धान विक्रय के लिए टोकन तुंहर हाथ एप के माध्यम से टोकन प्राप्त करने की सुविधा किसानों के लिए काफी मददगार साबित हो रही है। इससे किसानों को टोकन प्राप्त करने के लिए बार-बार समितियों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। वहीं, उपार्जन केंद्रों में समय पर बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता और टोकन के अनुसार धान खरीदी से किसानों को अपनी उपज बेचने में सहूलियत मिल रही है।

विकासखंड मानपुर अंतर्गत खरदी सहकारी समिति में ग्राम हथरा निवासी कृषक श्रीमती अगरू बाई ने 100 कट्टा धान का विक्रय किया। उन्होंने बताया कि धान बेचने के लिए उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। उपार्जन केंद्र में पर्याप्त बारदाने उपलब्ध थे और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आसानी से उनके धान की खरीदी हो गई। उन्होंने खरीदी केंद्र में उपलब्ध व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उपार्जन केंद्र में पहुंचे अन्य किसानों ने भी धान खरीदी की व्यवस्थाओं की सराहना की। किसानों का कहना है कि टोकन के अनुसार खरीदी, बारदाने की उपलब्धता तथा अधिकारियों-कर्मचारियों के सहयोग से धान विक्रय की प्रक्रिया सहज बनी हुई है।

किसानों ने कृषक उन्नति योजना के तहत प्रति एकड़ 13,839 रुपए की दर से मिलने वाली आदान सहायता राशि के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि धान खरीदी की सुव्यवस्थित व्यवस्था और शासन की किसान हितैषी योजनाओं से किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त करने के साथ ही आर्थिक संबल भी मिल रहा है।

अवैध धान परिवहन पर जिला प्रशासन की कार्रवाई, 300 क्विंटल धान ट्रक सहित जप्त



कवर्धा। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होते ही अवैध धान के परिवहन एवं खपाने पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सख्त निगरानी रखी जा रही है। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के निर्देशानुसार जिला एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीमें लगातार जांच अभियान चला रही हैं। इसी कड़ी में खाद्य एवं चिल्फी पुलिस की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चिल्फी में अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे 300 क्विंटल धान को ट्रक सहित जप्त किया है।

यह कार्रवाई जिला खाद्य अधिकारी चंद्रशेखर देवांगन के नेतृत्व में खाद्य एवं मंडी विभाग के संयुक्त दल द्वारा की गई। जांच के दौरान ट्रक में बड़ी मात्रा में धान का परिवहन किया जाना पाया गया। आवश्यक जांच एवं कार्रवाई के बाद टीम ने धान और ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया।

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के निर्देश पर जिले में अवैध धान परिवहन, बिचौलियों एवं कोचियों के माध्यम से धान खपाने की गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों एवं प्रमुख मार्गों पर जांच दल तैनात कर संदिग्ध वाहनों की जांच की जा रही है, ताकि अन्य राज्यों अथवा अवैध माध्यमों से धान का जिले में परिवहन एवं खपाया जाना रोका जा सके। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था में अनियमितता करने तथा अवैध रूप से धान का परिवहन एवं भंडारण करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

स्वाधीनता संग्राम व राष्ट्र के नवनिर्माण में जनजातीय समाज का योगदान अतुलनीय-सांसद संतोष पाण्डेय

केन्द्र व राज्य सरकार जनजाति समाज के विकास के लिए कृतसंकल्पित-विधायक भावना बोहरा

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा



राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि स्वाधीनता संग्राम, राष्ट्र निर्माण और समाज के नवनिर्माण में जनजातीय समाज का योगदान अतुलनीय एवं अद्वितीय है। जनजातीय समाज का इतिहास त्याग, तपस्या, संघर्ष और बलिदान की गौरवगाथाओं से भरा हुआ है। देश की स्वतंत्रता और संस्कृति की रक्षा के लिए जनजातीय समाज के वीर महापुरुषों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। सांसद श्री पाण्डेय धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर जिला मुख्यालय कवर्धा के पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित जनजातीय गौरव महोत्सव को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडरिया विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने की। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, जनजाति गौरव समाज के प्रदेश सचिव राजेश छेदावी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य काशीराम उइके, मोती बैगा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्यजन उपस्थित थे। प्रशासन की ओर से अपर कलेक्टर नरेंद्र पैकरा, एसडीएम चेतन साहू, डयूटी कलेक्टर श्रीमती शिल्पा देवांगन, सहायक आयुक्त लक्ष्मी पटेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, समाज प्रमुख एवं बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के नागरिक शामिल हुए।

सांसद संतोष पाण्डेय ने भगवान बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, शहीद गुंडाधुर, शहीद वीर नारायण सिंह और शहीद गैंद सिंह नायक सहित जनजातीय समाज के अनेक महान स्वतंत्रता सेनानियों के अमर बलिदान और संघर्षपूर्ण जीवन का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जब-जब राष्ट्र और समाज के सामने संकट आया, तब-तब जनजातीय समाज के वीर सपूतों ने साहस और पराक्रम के साथ चुनौतियों का सामना किया। इन महापुरुषों ने अपनी मातृभूमि, संस्कृति, परंपरा और समाज की अस्मिता की रक्षा के लिए अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष किया और अपने प्राणों की आहुति दी।

उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में जनजातीय समाज के मान-सम्मान, अधिकारों और संस्कृति की रक्षा के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध ऐतिहासिक संघर्ष किया। उनका जीवन और बलिदान केवल जनजातीय समाज ही नहीं, बल्कि संपूर्ण देश के लिए प्रेरणा का स्रोत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास और महापुरुषों के योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान एवं पहचान दिलाने का कार्य किया जा रहा है।

सांसद श्री पाण्डेय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने प्रधानमंत्री जनमन योजना सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों में आवास, सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। कबीरधाम जिले सहित पूरे छत्तीसगढ़ में जनजातीय समुदाय के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर जनजातीय समाज सहित जिलेवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा सहित जनजातीय समाज के महान महापुरुषों का त्याग, संघर्ष और बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा। इन महापुरुषों ने अपने अधिकारों, संस्कृति और समाज की पहचान की रक्षा के लिए अदम्य साहस का परिचय दिया। विधायक श्रीमती बोहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। सरकार की विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य जनजातीय समुदाय को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, स्वरोजगार और बुनियादी सुविधाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। उन्होंने समाज के लोगों से शासन की योजनाओं का लाभ उठाने और शिक्षा के माध्यम से आने वाली पीढ़ी का भविष्य उज्ज्वल बनाने का आह्वान किया।

जनप्रतिनिधियों ने जनकल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

समारोह को जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे ने भी संबोधित किया। उन्होंने जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान और सामाजिक विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए समाज के लोगों से इनका अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की।

समाज प्रमुखों, प्रतिभाओं एवं मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

जनजातीय गौरव महोत्सव के अवसर पर समाज सेवा, सामाजिक उत्थान एवं जनजातीय समाज के विकास में उल्लेखनीय योगदान देने वाले समाज प्रमुखों एवं प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। अतिथियों द्वारा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, जनजाति गौरव समाज के प्रदेश सचिव राजेश छेदवी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य काशीराम उइके सहित अन्य समाज प्रमुखों का सम्मान किया गया। इसके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

जनजातीय संस्कृति की रंगारंग प्रस्तुतियों ने मोहा मन

कार्यक्रम में जनजातीय कलाकारों एवं स्कूली विद्यार्थियों द्वारा जनजातीय संस्कृति, परंपरा और लोकजीवन पर आधारित आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। पारंपरिक वेशभूषा, लोकनृत्य और लोकगीतों के माध्यम से कलाकारों ने जनजातीय समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। जनजातीय गौरव महोत्सव ने समाज के गौरवशाली इतिहास, वीर महापुरुषों के बलिदान, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया।

अवैध मुरूम उत्खनन पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई एक जेसीबी मशीन और एक हाईवा वाहन किया जप्त

कलेक्टर के निर्देश पर अवैध खनिज उत्खनन व परिवहन के विरुद्ध लगातार की जा रही कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में छुरिया तहसील अंतर्गत ग्राम सड़क चिरचारी में अवैध मुरूम उत्खनन की सूचना प्राप्त होने पर तहसीलदार छुरिया श्रीमती आकांक्षा साहू द्वारा मौके पर पहुंचकर जांच एवं कार्रवाई की गई।

जांच के दौरान अवैध मुरूम उत्खनन में संलिप्त पाए जाने पर एक जेसीबी मशीन एवं एक हाईवा वाहन को जप्त किया गया। जप्त मशीन एवं वाहन के संबंध में नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोक लगाने के लिए सतत निगरानी रखी जा रही है। कलेक्टर ने अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन की गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाने तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरूद्ध कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

बिलई और चारभाटा में घर-घर हुआ सर्वे, मोतियाबिंद और चश्मे की जांच

संपूर्ण नेत्र सुरक्षा अभियान

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत बेमेतरा विकासखंड में संपूर्ण नेत्र सुरक्षा अभियान 16 नवंबर से 21 नवंबर तक चलाया जा रहा है। यह अभियान जिला कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। अभियान की तैयारियों को लेकर सीएचसी खंडसरा में बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरद कोहाड़े, जिला अंधत्व नोडल अधिकारी डॉ. अंशु अग्रवाल उपस्थित थे।

इस अभियान के तहत 18/11/2026 को आयुष्मान आरोग्य मंदिर बिलई एवं आश्रित ग्राम चारभाटा में मितानिनों द्वारा गांव में घर-घर जाकर सभी व्यक्तियों का सर्वे किया गया। सर्वे में चिन्हांकित मरीजों की मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु जांच, चश्मा जांच एवं उपचार किया गया और आंख से संबंधित सभी बीमारियों के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान धान कटाई के समय धान की बाली आंख में लगने से बचाव के उपायों के बारे में ग्रामीणों को नेत्र सहायक अधिकारी मुकेश कुमार टंडन द्वारा विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में सीएचओ श्रुति दुबे एवं ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक दिनेश खरे एवं मितानिनों ने सहयोग प्रदान किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरद कोहाड़े ने सभी ग्रामीणों से अपील की है कि वे इस अभियान का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपनी आंखों की नियमित जांच अवश्य कराएं।

बैठक

जिला स्तरीय बैंकर्स कार्यशाला में शाखा प्रबंधकों को दिया गया प्रशिक्षण, उत्कृष्ट कार्य करने वाले शाखा प्रबंधकों और कैडर सदस्यों का सम्मान

स्व-सहायता समूहों की ऋण राशि बढ़ाएं, व्यक्तिगत उद्यम ऋण की स्वीकृति और वितरण में तेजी लाएं

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

जिला पंचायत खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के सभाकक्ष में आज आयोजित जिला स्तरीय बैंकर्स प्रशिक्षण सह कार्यशाला में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रेम कुमार पटेल ने बैंक शाखा प्रबंधकों को स्व-सहायता समूहों की ऋण राशि बढ़ाने के निर्देश दिए। कार्यशाला में समूहों के बैंक खाते खोलने, ऋण आवेदनों को समय पर स्वीकृति देने और व्यक्तिगत उद्यम ऋण के वितरण में तेजी लाने पर जोर दिया गया।

श्री पटेल ने बैंक शाखा प्रबंधकों, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के कर्मचारियों और मैदानी कैडर को संबोधित करते हुए विकसित भारत के निर्माण में बैंकों और उनकी योजनाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान, हैदराबाद के नेशनल रिसोर्स पर्सन कोटागिरी श्रीनिवासराव मास्टर ट्रेनर के रूप में शामिल हुए। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के नवा रायपुर-अटल नगर



स्थित राज्य कार्यालय से अशोक कुमार भी उपस्थित रहे।

श्री श्रीनिवासराव ने बताया कि स्व-सहायता समूहों से ऋण की समय पर वापसी होने पर बैंकों को भी ब्याज से आय होती है। उन्होंने शाखा प्रबंधकों से समूहों की ऋण राशि बढ़ाने के साथ ही समूह सदस्यों को अपना उद्यम शुरू करने के लिए व्यक्तिगत ऋण स्वीकृत करने पर विशेष ध्यान देने को कहा। प्रशिक्षण में उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत समूह ऋण के लिए निर्धारित बैंक लोन प्रोडक्ट कोड, भारतीय रिजर्व बैंक के नवीन दिशा-निर्देशों और व्यक्तिगत उद्यम ऋण के नए ऑनलाइन आवेदन फॉर्म की जानकारी दी।

कार्यशाला के समापन पर श्री श्रीनिवासराव ने शाखा प्रबंधकों से समूह ऋण और व्यक्तिगत उद्यम ऋण के निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रकरणों की स्वीकृति और राशि के वितरण में तेजी लाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले बैंक शाखा प्रबंधकों और कैडर सदस्यों को सम्मानित किया गया। कार्यशाला में जिले के बैंक शाखा प्रबंधक, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला एवं विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक, क्षेत्रीय समन्वयक, वित्तीय साक्षरता सामुदायिक संसाधन व्यक्ति और बैंक मित्र उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश से अवैध रूप से लाया जा रहा 75 बोरी धान वाहन सहित जप्त

समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू होते ही अवैध परिवहन पर प्रशासन की सख्ती, सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी तेज

कवर्धा। धान खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने और अवैध धान के परिवहन पर रोक लगाने के लिए कबीरधाम जिला प्रशासन ने निगरानी तेज कर दी है। इसी कड़ी में खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम ने मध्यप्रदेश से अवैध रूप से परिवहन कर लाया जा रहा 75 बोरी धान वाहन सहित जप्त किया है। टीम ने धान के परिवहन से संबंधित जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की।



धान खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने और वास्तविक किसानों को समर्थन मूल्य का लाभ सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के निर्देश पर जिले में लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य एवं मंडी विभाग की टीम द्वारा अवैध परिवहन और भंडारण पर नजर रखी जा रही है। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने संबंधित अधिकारियों को सीमावर्ती क्षेत्रों और प्रमुख मार्गों पर विशेष निगरानी रखने तथा नियमित जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि दूसरे राज्यों से अवैध रूप से धान लाकर समर्थन मूल्य पर खपाने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिले में धान के अवैध परिवहन, भंडारण एवं खपाने के विरुद्ध जांच और कार्रवाई लगातार जारी रहेगी, ताकि धान खरीदी व्यवस्था सुव्यवस्थित, पारदर्शी और किसानों के हित में बनी रहे।

कांग्रेस में बड़ा फेरबदल: भूपेश के करीबी चढ़े भिलाई विधायक देवेंद्र यादव का पत्ता कटा !



आलोक तिवारी / नईदिल्ली-रायपुर

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एआईसीसी सचिवों की नई सूची जारी कर दी है। सूची आते ही छत्तीसगढ़ की राजनीति में हलचल मच गई है। एक तरफ भूपेश बघेल खेमे के नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी मिली है, तो दूसरी तरफ सबसे चौंकाने वाला नाम भिलाई विधायक देवेंद्र यादव का गायब होना है। एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से 19 नवंबर को जारी प्रेस रिलीज के अनुसार, सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

छग को मिले 2 नए प्रभारी सचिव

जारी सूची के अनुसार छत्तीसगढ़ के प्रभारी सचिव के रूप में जितेंद्र बघेल और हरनाम सिंह को जिम्मेदारी दी गई है।

भूपेश बघेल ने दी बधाई, बताया गौरव का विषय

पूर्व मुख्यमंत्री और एआईसीसी महासचिव भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर नवनियुक्त सचिवों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के प्रभारी सचिव के रूप में जितेंद्र बघेल और हरनाम सिंह का हम सब स्वागत करते हैं। श्री बघेल ने कहा कि हर्ष का विषय है कि हमारे युवा नेता पूर्णचंद्र पाढ़ी और नरेश ठाकुर को एआईसीसी सचिव नियुक्त किया गया है, यह छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ताओं के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने असम के लिए मनोज चौहान, बॉबी भगत और इफ्तिकार अहमद को भी बधाई दी।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान टीम "DY" की मेहनत से देवेंद्र यादव ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का विश्वास अर्जित किया था और राहुल और देवेंद्र के बीच जबरदस्त बॉन्डिंग दिखती थी। यही वजह थी कि लोकसभा चुनाव 2024 में उन्हें बिलासपुर से कांग्रेस प्रत्याशी बनाया गया और राहुल गांधी ने बिलासपुर में आमसभा भी ली। देवेंद्र यादव दिल्ली प्रवास के दौरान राहुल गांधी के आसपास नजर भी आते थे। लेकिन अखिल भारतीय कांग्रेस मुख्यालय से जारी सूची में देवेंद्र यादव का नाम न होना राजनीतिक हलचल पैदा करने के लिए पर्याप्त है।

सबसे बड़ा झटका: देवेंद्र यादव आउट !

इस पूरी सूची में सबसे ज्यादा चौंकाने वाला विषय भिलाई विधायक देवेंद्र यादव का नाम नहीं होना है। देवेंद्र यादव भी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव थे। उन्होंने पहले बिहार और अभी गुजरात के प्रभारी के रूप में काम किया था। लेकिन पूरी लिस्ट में उनका नाम नहीं है। इसका मतलब है कि देवेंद्र को पदमुक्त कर दिया गया है।

क्यों कटा पत्ता ? भूपेश से दूरी पड़ी भारी ?

पार्टी सूत्रों का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से भिलाई विधायक देवेंद्र यादव के बीच प्रदेश युवा कांग्रेस चुनाव के समय काफी दूरियां आ गई थीं।

क्या कहता है सियासी गणित ?

प्रदेश कांग्रेस की राजनीति में भूपेश बघेल के वर्चस्व को वजनदार बताया जा रहा है। माना जा रहा है कि नई सूची में भूपेश खेमे की मजबूत पकड़ दिखी है, जबकि राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले देवेंद्र यादव का बाहर होना बड़े सियासी संकेत दे रहा है। अब सवाल ये है कि क्या देवेंद्र यादव को कोई और बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी, या ये उनकी सियासी गिरावट की शुरुआत है ?

पूर्णचंद्र को ओडिशा, नरेश को गुजरात

सूची के अनुसार पूर्णचंद्र पाढ़ी को ओडिशा का एआईसीसी सचिव बनाया गया है। वहीं नरेश ठाकुर को गुजरात की जिम्मेदारी मिली है। गुजरात में उनके साथ रामकिशन ओझा, सुभाषिनी यादव और हेम सिंह शेखावत भी सचिव होंगे।

देवेंद्र यादव का एआईसीसी से पत्ता कटा नहीं, बल्कि छग में बड़ी भूमिका की तैयारी ! जल्द होगा बड़ा धमाका

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-भिलाई

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव पद से भिलाई विधायक देवेंद्र यादव के पदमुक्त होने के बाद प्रदेश की राजनीति में तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कहानी कुछ और ही है। पार्टी आलाकमान अब देवेंद्र यादव को लेकर अलग मूड में है और छत्तीसगढ़ में उनकी भूमिका को लेकर बड़ा फैसला होने वाला है।

एनएसयूआई से विधायक तक का सफर

विधायक बनने से पहले देवेंद्र यादव कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं। युवक कांग्रेस में भी उनके मित्रगण बड़ी जिम्मेदारी निभाते रहे हैं। देवेंद्र यादव की फॉलोइंग पूरे प्रदेश में है और उनकी सक्रियता भी पूरे प्रदेश में साफतौर पर दिखती है। प्रदेश के हर छोटे-बड़े मुद्दे पर विधायक देवेंद्र यादव की मुखरता कांग्रेस पार्टी को नई ऊर्जा देती रही है।

बलौदाबाजार कांड ने बनाया सतनामी समाज की आवाज

बलौदाबाजार कांड के बाद प्रदेश भर में सतनामी समाज की आवाज बनकर



देवेंद्र यादव मजबूती से उभरे। इस मामले में गिरफ्तारी के बाद जेल में रहते हुए देवेंद्र यादव को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का सचिव बनाया गया था और बिहार में काम करने की जवाबदारी सौंपी गई थी।

राष्ट्रीय जिम्मेदारी से बंट रहा था समय

सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय स्तर की जिम्मेदारी मिलने के बाद देवेंद्र यादव का समय बंट जा रहा था। वह पूरा समय छत्तीसगढ़ को नहीं दे पा रहे थे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और देवेंद्र यादव के फॉलोअर चाहते थे कि देवेंद्र छत्तीसगढ़ राज्य में ही पूरा समय दें। यही वजह है कि देवेंद्र यादव ने पार्टी आलाकमान के पास छह महीने पहले ही प्रदेश में संगठन के लिए काम करने की इच्छा जाहिर की थी।

कार्यकारी अध्यक्ष वाला पत्र और डिलीट हुई पोस्ट !

नतीजा था कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश में कार्यकारी अध्यक्ष का पत्र भी जारी किया था। खुद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने एक्स हैंडल पर देवेंद्र यादव को बधाई भी दे डाली थी, पर उस पोस्ट को अचानक हटा दिया गया। इस घटना ने उस समय भी प्रदेश की राजनीति में हलचल मचा दी थी।

2028-29 की तैयारी में कांग्रेस, बैज का कार्यकाल पूरा

सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस अब प्रदेश में वर्ष 2028-29 की तैयारी में जुट गई है। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज का कार्यकाल भी पूरा हो चुका है। ऐसी स्थिति में भिलाई विधायक देवेंद्र यादव की ऊर्जा और संगठन क्षमता का कांग्रेस आलाकमान प्रदेश में उपयोग करने का निर्णय ले चुका है।

क्या होगा नया स्वरूप ?

प्रदेश में भूमिका कैसी रहेगी ? स्वरूप क्या रहेगा ? जातिगत समीकरण को कैसे फिट किया जाएगा ? इस पर फ्रेमवर्क किया जा रहा है। सूत्रों का दावा है कि जल्द प्रदेश कांग्रेस में बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। यानी देवेंद्र यादव का अकठउ सचिव पद से हटना अंत नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ में नई बड़ी पारी की शुरूआत हो सकती है।

मारो में विकास कार्यों के लोकार्पण : डिप्टी सीएम साव ने किया भूमिपूजन विधायक ईश्वर साहू ने महिला कलाकार के साथ लगाए जमकर ठुमके



नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले के नगर पंचायत मारो में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमिपूजन समारोह के बाद विधायक ईश्वर साहू का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में विधायक एक महिला कलाकार के साथ डांस करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को लेकर क्षेत्र के साथ राजनीतिक गलियारों में भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

नगर पंचायत मारो में करोड़ों रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमिपूजन के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अन्य लोगों की मौजूदगी रही। सामने आई जानकारी के अनुसार, उपमुख्यमंत्री अरुण साव के कार्यक्रम से रवाना होने के बाद विधायक ईश्वर साहू मंचीय आयोजन के दौरान महिला कलाकार के साथ डांस करते दिखाई दिए। इसी दौरान का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

नवजात शिशुओं की खरीद-बिक्री मामले में डॉक्टर सहित 3 और गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

अब तक कुल 6 आरोपी पकड़े गए



नवजात शिशुओं की खरीद-बिक्री के मामले में आजाद चौक पुलिस ने डॉक्टर सहित 3 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस प्रकरण में अब तक कुल 6 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। गिरोह के नेटवर्क की विस्तृत जांच जारी है। थाना आजाद चौक के अपराध क्रमांक 307/26 धारा 140(3), 143(4), 318(4), 61 बीएनएस के प्रकरण में पुलिस ने पहले 3 महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

पहले गिरफ्तार आरोपी में कृतिका साहू पति स्व. सुमित कुमार साहू उम्र 34 साल निवासी आमापारा रामकुंड, थाना आजाद चौक, रायपुर, अहिल्या नामदेव पिता दीपक नामदेव उम्र 40 साल निवासी सीतानगर गोगांव, थाना गुढियारी, रायपुर और गीतिका नाग पति चिंतामणी नाग उम्र 36 साल निवासी स्टोर पारा पुरैना, भिलाई-3, थाना भिलाई-3, जिला दुर्ग शामिल हैं। गिरफ्तार महिला आरोपियों से विस्तृत पूछताछ एवं विवेचना के दौरान प्रकरण में संलिप्त डॉक्टर खिर सिंधु महानंद, प्रकाश कुमार कौरव एवं अश्वनी शर्मा को गिरफ्तार किया गया।

डॉ. खिर सिंधु महानंद - आरोपी द्वारा नवजात शिशु के क्रेता को अस्पताल में भर्ती किए बिना ही अस्पताल की सील लगाकर फर्जी डिस्चार्ज टिकट तैयार किया जाता था तथा उक्त डिस्चार्ज टिकट महिला आरोपी कृतिका साहू को प्रदान किया जाता था। आरोपी द्वारा वर्ष 2026 में कुल 3 डिलीवरी होने तथा 26 जन्म प्रमाण पत्र जारी किए जाने की जानकारी दी है। आरोपी के कब्जे से प्रार्थिया के उपचार से संबंधित संपूर्ण दस्तावेज एवं ओपीडी रिकॉर्ड रजिस्टर जब्त किया गया है।

प्रकाश कुमार कौरव एवं अश्वनी शर्मा - प्रकाश कुमार कौरव पुरुष नर्स का कार्य करता था तथा अश्वनी शर्मा के साथ मिलकर कृतिका साहू, गीतिका नाग, अहिल्या महानंद एवं अन्य आरोपियों के साथ नवजात शिशुओं की खरीद-बिक्री में संलिप्त था। आरोपियों द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं एवं अविवाहित गर्भवती महिलाओं की तलाश कर उन्हें प्रसव हेतु अस्पताल में भर्ती कराया जाता था। इसके पश्चात नवजात शिशुओं की खरीद-बिक्री का सौदा कर उससे प्राप्त रकम का आपस में बंटवारा किया जाता था। अश्वनी शर्मा द्वारा नवजात शिशुओं की खरीद-बिक्री के एवज में रकम के लेन-देन का कार्य किया जाता था। प्रकरण की प्रार्थिया को भी इसी प्रकार प्रसव हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

नए गिरफ्तार आरोपी में डॉ. खिर सिंधु महानंद पिता गोवर्धन महानंद उम्र 45 साल निवासी मोतीलाल नगर कोटा, थाना सरस्वती नगर, रायपुर, प्रकाश कुमार कौरव पिता स्व. विजय कुमार कौरव उम्र 45 साल निवासी म.नं. सी-4 कपिस विहार अमलीडीह, थाना न्यू राजेंद्र नगर, रायपुर और अश्वनी शर्मा पिता सुखेन्द्र शर्मा उम्र 38 साल निवासी रामकुंड विहार सी-09, थाना आजाद चौक, रायपुर शामिल हैं। प्रकरण में संलिप्त अन्य व्यक्तियों की भूमिका एवं उनके द्वारा किए गए कृत्यों के संबंध में भी विस्तृत जांच की जा रही है।

इंस्टाग्राम से दोस्ती, फिर 3 साल तक ब्लैकमेल कर दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

नाबालिग बालिका से दुष्कर्म एवं अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने वाले आरोपी को पुलिस चौकी तुमड़ीबोड़ ने चंद घंटों में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार 18 नवंबर को पीड़िता की मां ने चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपी किशोर साहू ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम के माध्यम से उसकी नाबालिग पुत्री से परिचय स्थापित किया। मिलने के लिए बुलाकर उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध स्थापित किया तथा अश्लील फोटो एवं वीडियो बना लिया।

इसके बाद फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी पीड़िता को लगातार तीन साल तक ब्लैकमेल कर दुष्कर्म कर उसका शारीरिक शोषण करता रहा। परेशान होकर पीड़िता ने घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी, जिसके बाद परिजनों ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई।



मामला गंभीर होने पर पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक आदित्य कुमार के दिशा-निर्देशन में तत्काल विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने आरोपी का पतासाजी कर चंद घंटों में विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपी - किशोर साहू पिता इंदल साहू, उम्र 31 वर्ष, निवासी ग्राम दीवानभेड़ी, पुलिस चौकी तुमड़ीबोड़, जिला राजनांदगांव है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक धनीराम नारंगे, प्र.आर. लोकनाथ वर्मा, आरक्षक चंद्रशेखर यादव, थलेश देशमुख, डिगम्बर सिदार एवं पुलिस चौकी तुमड़ीबोड़ स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

8.224 किलो गांजा के साथ 2 महिला तस्कर गिरफ्तार

राजनांदगांव। नशा मुक्त अभियान के तहत पुलिस चौकी चिचोला ने गांजा तस्करी करने वाली 2 महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 8.224 किलो गांजा कीमत 4 लाख 500 रुपये जप्त किया गया है।

पुलिस के अनुसार 18 नवंबर की रात मुखबिर से सूचना मिली कि दो संदिग्ध महिलाएं रायपुर तरफ से बस से अवैध मादक पदार्थ गांजा लेकर बस स्टैंड चिचोला पहुंची हैं और बेचने के लिए ग्राहक तलाश रही हैं। सूचना पर पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) केसरी नंदन नायक, डोंगरगढ़ के मार्गदर्शन में चौकी चिचोला पुलिस टीम द्वारा बस स्टैंड चिचोला के पास नाकाबंदी की गई। नाकाबंदी में दो संदिग्ध महिलाओं को पकड़ा गया।

गिरफ्तार आरोपी में आशा सुनील काडे, पति सुनील काडे, उम्र 28 वर्ष, निवासी बोरगांव, जिला बीड (महाराष्ट्र) और गौरी भगवान काले, पिता भगवान काले, उम्र 45 वर्ष, निवासी शिरडी, जिला अहमदनगर (महाराष्ट्र) शामिल हैं। दोनों के सयुक्त कब्जे से 2 पिट्ठू बैग के अंदर खाकी रंग के टेप से लपेटे हुए प्लास्टिक के पैकेट में कुल 4 पैकेट गांजा बरामद हुआ। जप्ती का विवरण - आरोपी आशा सुनील काडे से - 4.110 किलो गांजा, आरोपी गौरी भगवान काले से - 4.114 किलो गांजा। कुल - 8.224 किलो गांजा, कीमती 4 लाख 500 रुपये है। आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायालय के आदेशानुसार जेल दाखिल किया गया है। आरोपियों के विरुद्ध पुलिस चौकी चिचोला, थाना छुरिया में अपराध क्र. 223/2025 धारा 20 (बी) एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है।

नर्सिंग काउंसलिंग : द्वितीय एवं तृतीय (मॉप-अप) चरण के लिए नया पंजीयन शुरू, 22 नवंबर तक मौका

रायपुर। आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा छत्तीसगढ़ ने प्रवेश वर्ष 2026 के लिए बी.एससी. नर्सिंग, एम.एससी. नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बी.एससी. नर्सिंग एवं पोस्ट बेसिक डिप्लोमा इन साइकियाट्रिक नर्सिंग (DPN) की द्वितीय एवं तृतीय (मॉप-अप) चरण की संयुक्त काउंसलिंग हेतु नवीन ऑनलाइन पंजीयन एवं संस्था/विषय चयन की सूचना जारी कर दी है। भारतीय उपचार्य परिषद्, नई दिल्ली के पत्र क्रमांक http://F.No.1-6/LT/2026 Dated 19 नवंबर द्वारा नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि में वृद्धि कर 30 नवंबर निर्धारित की गई है। इसी को देखते हुए रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए समय पर ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी की जा रही है।







"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100